राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 28 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-301 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में ऑपरेशन आघात 3.0 के तहत 285 लोग गिरफ्तार

■ 12258 क्वॉर्टर अवैध शराब, 2.30 लाख रुपए जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट टीम ने ऑपरेशन आघात 3.0 के तहत शुक्रवार रात को 285 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी हेमंत तिवारी के मुताबिक इस अभियान में एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और जुआ अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। इसके अलावा 504 लोगों को एहतियाती कार्रवाई के तहत पकड़ा गया और 116 बदमाश की धरपकड़ की गई है। अभियान में 10 प्रॉपर्टी ऑफेंडर और 5 ऑटो लिफ्टर भी गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने 21 CMP, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू बरामद किए। इसके साथ ही 12,258 क्वॉर्टर अवैध शराब, 6.01 किलो गांजा और 2,30,990 रुपये नगद जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि 310 मोबाइल फोन, 231 दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन भी बरामद हुए हैं। डीसीपी ने कहा कि अभियान के दौरान कुल 1,306 लोगों को रोककर पूछताछ की गई, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके और कानून व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं

चुनाव 18 जनवरी से शुरू होंगे, 20 को ऐलान होगा, इसी महीने कार्यकारी अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार उनकी नियुक्ति का ऐलान 20 जनवरी को किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की संभावना है। नितिन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा होंगे। उनका कार्यकाल जनवरी 2029 तक रहेगा। 2029 में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित होने के कारण उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। पार्टी देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को 15 जनवरी के बाद दिल्ली बुलाने की तैयारी में है। इससे पहले 2028 जेपी नड्डा को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। बाद में उन्हें ही स्थायी अध्यक्ष बनाया था। भाजपा संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया पार्टी शासित आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी हो चुकी है। 37 में से 29 राज्यों में आंतरिक चुनावों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इन राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा करेंगे। इसके अलावा भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी नितिन नबीन के पक्ष में एक अलग सेट में नामांकन दाखिल करेंगे। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन के समर्थन में दाखिल नामांकन पत्रों पर ढट नरेंद्र मोदी

और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दस्तखत भी होंगे। सूत्रों का दावा है कि नितिन नबीन ही एकमात्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले हैं, इसलिए भाजपा के मुख्य चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण नामांकन पत्रों की जांच के बाद उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। इस मौके पर भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों को दिल्ली में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को 14 दिसंबर को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी बनाया गया था। 45 साल के नबीन 2010 से बिहार की बांकीपुर सीट से विधायक हैं। भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। तब से वे एक्सटेंशन पर थे।

हवा में घुल रहा जहर

■ नोएडा-गाजियाबाद ने दिल्ली को प्रदूषण में छोड़ा पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की गति सुस्त और दिशा बदलने के कारण शनिवार को हवा गंभीर श्रेणी की दहलीज पर पहुंच गई। ऐसे में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 385 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें शुक्रवार की तुलना में 53 सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 409 दर्ज किया गया, यह हवा की गंभीर श्रेणी है। वहीं, गाजियाबाद में 404, ग्रेटर नोएडा में 395 और गुरुग्राम में 299 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा, फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 249 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाला प्रदूषण 16.17 फीसदी रहा। इसके अलावा पेरिफेरल उद्योग से 8.42, आवासीय इलाकों से 4.04, निर्माण गतिविधियों से 1.46 और सड़क से उड़ने वाली धूल की 1.15 फीसदी की भागीदारी रही। सीपीसीबी के अनुसार, शनिवार को हवा उत्तर दिशा से 5 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 900 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 4500 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा।

इंडिगो संकट: जांच पैनल ने 22 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपी

सरकार ने गोपनीय रखी, दूसरी रिपोर्ट में दावा- क्रू की कमी नहीं, रोस्टर में गड़बड़ी थी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर DGCA को सौंप दी है। इस कमेटी को 22 दिन पहले 5 दिसंबर को बनाया गया था। हालांकि रिपोर्ट्स में क्या लिखा है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। उधर, अंग्रेजी न्यूज पेपर की एक रिपोर्ट के मुताबिक DGCA के एक अलग सिस्टमैटिक रिव्यू यानी एक तरह की जांच में कहा गया है कि इंडिगो ने नवंबर में अपने 307 एयरबस-विमानों के बेड़े को चलाने के लिए 4,575 पायलटों को नियुक्त किया था। यह ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के तहत जरूरी 3,684 पायलटों की संख्या से 891 ज्यादा थे। इससे पता चलता है कि क्रू की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग (रोस्टर) में गड़बड़ी की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। इधर,

इंडिगो ने फ्लाइट कैंसिलेशन प्रभावित यात्रियों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू कर दिया है। ये वाउचर 12 महीने तक वैध रहेंगे, जो इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। दरअसल, दिसंबर महीने की शुरूआत में इंडिगो की 10 दिनों के भीतर 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गईं थीं, जिससे देश भर में हजारों यात्री फंस गए थे। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने यह पता लगाने के लिए एक सिस्टमैटिक रिव्यू का भी आदेश दिया था कि क्या एयरलाइन की तैयारी बदले हुए नियमों को लेकर पर्याप्त थी। यह समीक्षा नवंबर के आखिर से दिसंबर के मध्य तक यात्रियों को 1,500 करोड़ रुपये से अधिक की रिफंड राशि लौटाने के बाद शुरू की गई थी। इसमें खुलासा हुआ कि ऑपरेशन, ट्रेनिंग, छुट्टी और इमरजेंसी कंडीशन को कवर करने के लिए हर प्लेन में छह क्रू सेट रखे जाते हैं। इंडिगो ने इस पूरे संकट को लेकर अपना जवाब भी DGCA को दिया था, जिसमें कहा गया था कि पायलटों की संख्या तय सीमा से ज्यादा है, और असली दिक्कत पायलटों की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग में है। रिव्यू में यह भी बताया गया कि एयरलाइन के क्रू का उपयोग रेगुलेशन के अनुसार हर माह 100 घंटे की तुलना में 55% था। DGCA के न्यूनतम स्टैंडर्ड के अनुसार इंडिगो की नवंबर फ्लीट में हर एयरक्राफ्ट के लिए केवल तीन क्रू सेट या 1842 पायलटों की जरूरत थी, जो एयरलाइन में रखे गए पायलटों की संख्या के आधे से भी कम है। जांच पैनल में अध्यक्ष DGCA के डायरेक्टर जनरल संजय ब्रह्मणे, डिप्टी डायरेक्टर जनरल अमित गुप्ता, सीनियर फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर कैप्टन कपिल मांगलिक और फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर कैप्टन रामपाल शामिल थे। पैनल ने उन हालात की समीक्षा और जांच की, जिनके कारण फ्लाइट कैंसिल हुईं। रिपोर्ट की कॉपी नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू और सचिव समीर कुमार सिन्हा को भी दी गई हैं।सरकार ने एविएशन सेक्टर में कॉम्पिटिशन बढ़ाने और बड़ी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने के लिए तीन नई एयरलाइंस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जारी किया है।

जम्मू: अनंतनाग में दिखे लश्कर के आतंकी, दावा: इनमें एक पाकिस्तानी

■ दूसरा कुलगाम का लतीफ, बाजार में घूमने का सीसीटीवी फुटेज

एजेंसी

अनंतनाग। जम्मू के अनंतनाग बाजार में लश्कर के दो आतंकियों का CCTV फुटेज सामने आने के बाद डेंगरपोरा और काजीबाग इलाके में सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें से एक आतंकी कुलगाम के खेरवन का रहने वाला मो. लतीफ भट है। वीडियो में नजर आए दूसरे आतंकी के पाकिस्तानी कमांडर हंजुल्लाह होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। सेना और कश्मीर पुलिस के जवान इलाके में दोनों की तलाश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि आतंकियों को पकड़ने में मदद मिल सके। पिछले दिनों उधमपुर में भी 2 आतंकियों के देखे जाने के बाद जम्मू से कश्मीर तक 80 गांवों में तलाशी ली गई थी। जवानों ने हर घर के दरवाजे खुलवाकर जांच की थी। जो वीडियो सामने आया है उसमें 25 दिसंबर की तारीख है। समय शाम के 6.12 का है। वीडियो में नजर आया स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ कुलगाम के खेरवन का रहने वाला है। इसके बारे में यह दावा किया जा रहा है कि उसने नवंबर में लश्कर के शैडो संगठन कश्मीर रिवोल्यूशन आर्मी (KRA) जॉइन किया था। सुरक्षा बल दोनों आतंकियों की तलाश में 30 घंटे से कर रहे हैं, हालांकि अभी तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिली है।

'समान अवसर मिलने पर पुरुषों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन करती हैं महिलाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि महिलाओं ने साबित कर दिया है कि जब उन्हें समान अवसर मिलता है, तो वे पुरुषों जितना अच्छा या उससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। यह बात उन्होंने गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुर में कही, जहां वह श्रीमद राजचंद्र सर्वमंगल महिला उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने पहुंचे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन संत श्रीमद राजचंद्र की विरासत सदियों तक लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी।केंद्र का निर्माण 11 एकड़ में हुआ है और यह

महिलाओं को कौशल विकास और आजीविका में मदद करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 में इसका शिलान्यास डिजिटल माध्यम से किया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि कि यह केंद्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आध्यात्मिक चिंतन का समय देने में मदद करेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 'सेवा' की एला भट्ट और 'श्री महिला गृह उद्योग' की संस्थापक जसवंतीबेन पोपट ने समान अवसर मिलने पर पुरुषों की तरह या उनसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाएं ही पूरी तरह इस उत्कृष्टता केंद्र का संचालन करेंगी। यह महिला उद्यमिता को मजबूत करेगा। यह महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का उत्तम उदाहरण पेश करेगा। उन्होंने कहा कि यह परिसर महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है। यहां के उत्पाद जब वैश्विक बाजार में जाएंगे, तो यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को प्रोत्साहित करेगा।

कच्छ में बांग्लादेशी क्रिकेटर्स पर संतों का सख्त अल्टीमेटम

एजेंसी

हरिद्वार। आईपीएल 2026 के लिए बांग्लादेशी क्रिकेटर्स की खरीदारी किए जाने और खिलाने के खिलाफ हरिद्वार के साधु-संतों खुलकर सामने आ गए है। साधु-संतों ने आयोजकों को चेतावनी जारी की कि अगर बांग्लादेशी क्रिकेटर्स के साथ भारतीय खिलाड़ी खेलते है तो वे इसका विरोध करेंगे। उन्होंने भारतीय क्रिकेटर्स से भी इस पर गौर करने को कहा है। संतों ने कहा है कि अगर वो इन क्रिकेटर्स के साथ खेलेंगे तो वो भी जिहादी कहलाएंगे और उनका भी विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशियों ने हिन्दुओं का

नरसंहार किया है। हिन्दुओं को मारा है, काटा है, जलाया है। अगर उन बांग्लादेशियों के साथ मैच हुआ तो वे लोग हजारों पदाधिकरियों के साथ सड़क पर उतर जाएंगे। IPL में बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खिलाफ हरिद्वार के माया देवी मंदिर में आज यानी शनिवार को संत समाज, श्री अखंड परशुराम अखाड़ा और विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

खड़गे बोले: पीएम मोदी को गांधी सरनेम से दिक्कत

राहुल बोले: मोदी वन मैन शो चला रहे, इसका फायदा 2-3 अरबपतियों को मिल रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। मनरेगा का नाम बदलकर VB G RAM G करने का विरोध कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर करेगी। 5 जनवरी से देशभर में अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (उहउ) की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दी। उन्होंने कहा- मोदी को गांधी सरनेम से दिक्कत है, इसलिए मनरेगा का नाम बदला गया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा- मनरेगा का नाम बदलने का फैसला कैबिनेट और राज्यों से बिना पूछे ही ये फैसला लिया गया है। मोदी वन मैन शो चल रहे है, मोदी जी जो करना चाहते हैं करते हैं। इसका पूरा फायदा 2-3 अरबतियों को मिल रहा है। इसका नुकसान ग्रामीण इलाकों को हो रहा है। राहुल ने कहा- मनरेगा सिर्फ योजना नहीं थी। मनरेगा राइट बेस्ड कॉन्सेप्ट था। यानी इससे देश के करोड़ों लोगों को मिनिमम वेज (न्यूनतम आय) मिलती थी। मनरेगा बंद करना डायरेक्ट राइट बेस्ड के कॉन्सेप्ट पर आक्रमण है। ये जो पैसा लिया जा रहा है, वो राज्यों से छीनकर केंद्र सरकार ले रहा है। ये पावर और फाइनेंस का कान्ट्रैक्शन है। ये फैसला सीधे पीएम हाउस से लिया गया है। दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) की बैठक

में खड़गे ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया लोकतांत्रिक अधिकारों को कम करने की सुनियोजित साजिश है। घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदाय के वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट न हटें। मनरेगा को सोनिया गांधी की टीम ने दिया था। लाखों परिवारों का भरण-पोषण दिया। मनरेगा नहीं तो लाखों लोग मर जाते। कांग्रेस हर हाल में मनरेगा की रक्षा करेगी। मजदूरों के अधिकारों के लिए हम संघर्ष करेंगे। केंद्र सरकार ने बिना सलाह के मनरेगा को खत्म किया। मनरेगा से राष्ट्रपिता गांधी का नाम हटाना। उनका अपमान है। क्योंकि सोनिया गांधी, मनमोहन जी ने मनरेगा को कानून बनाया था। हमने हक दिया। आप नाम बदल रहे हैं। आप केवल गांधी परिवार ही नहीं। इनको महात्मा गांधी का भी नाम नहीं पसंद हैं। गांधी सरनेम से सरकार को दिक्कत है। ये कानून गरीबों को कुचलने और उन्हें दबाने के लिए है। जब भारत दुनिया की जब चौथी अर्थव्यवस्था बन चुका है, उनके कहने के मुताबिक, तो मनरेगा जैसी योजना को बंद क्यों किया। आपके पास इतना पैसा है तो अमीर देश को क्यों लूट रहे हैं। अंबानी-अडाणी देश का पैसा डुबो रहे हैं तो मजदूरों को देने के लिए आपके पास पैसा नहीं था। ये सरकार अमीरों के साथ रहने वाली है, ये गरीबों के साथ नहीं है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में शशि थरूर भी शामिल हुए, जबकि वे पिछली दो बड़ी बैठकों में नहीं आए थे। यह बिहार चुनाव में हार के बाद CWC की पहली बैठक है, जिसमें कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व ढउउ अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में जी राम जी बिल पर सरकार के खिलाफ पार्टी की रणनीति पर चर्चा की जा रही है। बैठक से पहले खड़गे ने मनरेगा को यूपीए सरकार की दूरदर्शी योजना बताते हुए कहा कि इसकी सराहना विश्वभर में हुई, इसी कारण इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने बिना अध्ययन या परामर्श के इस कानून को समाप्त किया और कृषि कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा कि जनविरोध के बाद सरकार को उन्हें वापस लेना पड़ा।

थरूर बोले: प्रधानमंत्री का हारना भारत के हारने जैसा

विदेश नीति पार्टी नहीं, देश की होती है, पाकिस्तान से खतरे को नजरअंदाज न करें

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि विदेश नीति भाजपा या कांग्रेस की नहीं, भारत की होती है। अगर राजनीति में कोई प्रधानमंत्री की हार पर खुश होता है, तो वह भारत की हार की खुशी मना रहा होता है। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को याद करते हुए कहा, अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा? थरूर ने शुक्रवार कहा कि भारत को पाकिस्तान से आने वाले सुरक्षा खतरों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाकिस्तान अपनी सैन्य रणनीति बदल रहा है। वह अब हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक और छिपकर हमला करने की नीति पर जोर दे रहा है। थरूर ने कहा- पाकिस्तान पहले ड्रोन, रॉकेट और मिसाइल हमलों का सहारा ले चुका है और अब वह और ज्यादा खतरनाक तकनीकों की ओर बढ़ रहा है। पाकिस्तान की यह नई सैन्य नीति ऐसी नहीं है, जिसे भारत नजरअंदाज कर सके। पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति पर बात करते हुए थरूर ने उसे एक बेहद समस्याग्रस्त देश बताया। उन्होंने कहा कि वहां नाम मात्र की नागरिक सरकार है, असली ताकत सेना के हाथ में है। नीति निर्धारण में सेना का दबदबा रहता है और उसी के हिसाब से फैसले होते हैं। पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ करीब 2.7 फीसदी है, जबकि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी या उससे अधिक है। पाकिस्तान की आर्थिक हालत बेहद नाजुक है। अंतरराष्ट्रीय मदद उसे कुछ समय के लिए सहारा देती है, लेकिन यही कमजोरी भविष्य

में जोखिम भरे कदम उठाने के लिए उकसा सकती है। पाकिस्तान अब उन क्षेत्रों में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, जहां भारत पहले से मजबूत है। खासतौर पर टेक्सटाइल और कृषि जैसे सेक्टरों में पाकिस्तान की गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। पाकिस्तान ने अमेरिका को खनिज संसाधनों तक पहुंच का प्रस्ताव दिया है और अपनी क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ा कारोबार भी एक ऐसी कंपनी को सौंपा है, जिसका संबंध जैकरी विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रम्प के बेटों से बताया जा रहा है। दुनिया तेजी से बदल रही है और वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल का दौर चल रहा है। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि किसे काबू में किया जाए, बल्कि यह है कि उन देशों से कैसे निपटा जाए, जिन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं है। बांग्लादेश इस समय कई समस्याओं से जूझ रहा है। वहां ऊर्जा संकट है, महंगाई बढ़ रही है और निवेशकों का भरोसा कमजोर हो रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौतों पर चर्चा यह संकेत देती है कि बांग्लादेश भारत को दुश्मन के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश: सत्ता-संघर्ष, कट्टरपंथ और लोकतंत्र की अनिश्चित राह

(लेखक-ललित गर्ग)

बांग्लादेश एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ लोकतंत्र, सत्ता और कट्टरपंथ के बीच की रेखाएँ धुंधली होती जा रही हैं। 17 वर्षों के स्वनिर्वासन के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की स्वदेश वापसी केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है, जो शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद देश की राजनीति में लगातार गहराती चली गई है। यह वापसी ऐसे समय में हुई है जब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस स्वयं कई मोर्चों पर घिरते नजर आ रहे हैं और जिन ताकतों को उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद में अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से स्थान दिया, वही आज शांति, सौहार्द और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद जिस छात्र आंदोलन को 'जुलाई क्रांति' के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उससे देश में यह उम्मीद जगी थी कि एक नई, पारदर्शी और समावेशी व्यवस्था की नींव रखी जाएगी। इसी उम्मीद के साथ छात्र नेताओं और नागरिक समाज के एक बड़े वर्ग ने मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी। लेकिन कुछ ही महीनों में यह भ्रम टूटने लगा कि यह संघर्ष व्यवस्था परिवर्तन का है। चुनाव को लेकर बढ़ती खींचतान, स्पष्ट रोडमैप का अभाव और सत्ता के इर्द-गिर्द सिमटती निर्णय प्रक्रिया ने यह संकेत दे दिया कि अब लड़ाई लोकतंत्र को मजबूत करने की नहीं, बल्कि सत्ता पर कब्जे की है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोहम्मद यूनुस की सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले और कानून-व्यवस्था की बदहाली को लेकर मानवाधिकार संगठनों की चिंताएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद यह आश्चर्यजनक है के भारत जैसे पड़ोसी देश से, जहाँ बांग्लादेश के घटनाक्रम का सीधा प्रभाव पड़ता है, अपेक्षित स्तर की कूटनीतिक और नैतिक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली।

इस संदर्भ में कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया है। हादी जुलाई आंदोलन से उभरे उन चेहरों में थे, जिनका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। उनकी हत्या के बाद उनके भाई द्वारा लगाए गए आरोप कि यह हत्या अंतरिम सरकार से जुड़े तत्वों की साजिश है ताकि चुनाव टाले जा सकें, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की नैतिकता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। यदि यह आरोप सही हैं, तो इसका अर्थ यह होगा कि सत्ता में शामिल कुछ शक्तियां जानबूझकर देश को अस्थिरता एवं घोर अशांति की ओर धकेल रही हैं, ताकि चुनावी प्रक्रिया को अपने अनुकूल मोड़ा जा सके। कट्टरपंथी संगठनों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंताजनक है। जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों का अंतरिम सरकार पर बढ़ता दबाव, सड़कों पर बढ़ती हिंसा और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कानून-व्यवस्था तेजी से कमजोर हुई है। विडंबना यह है कि जिन कट्टरपंथी तत्वों को शेख हसीना सरकार के विरोध में 'लोकतांत्रिक सहयोगी' के रूप में देखा गया, वही आज बांग्लादेश की सामाजिक संरचना को भीतर से खोखला कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक भूल है, जो दक्षिण एशिया के कई देशों में पहले भी की जा चुकी है-जहां अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए कट्टरपंथ को जगह दी गई और परिणाम दीर्घकालिक अस्थिरता के रूप में सामने आया। तारिक रहमान की वापसी को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। ब्रिटेन में 17 वर्षों से अधिक समय बिताने के बाद उनका लौटना केवल व्यक्तिगत निर्वासन की समाप्ति नहीं है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में एक नए शक्ति-संतुलन का संकेत है। यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जिन मुकदमों के कारण वे देश से बाहर थे, उनमें अंतरिम सरकार के दौरान राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ। जिस दिन तारिक रहमान ढाका लौटे, उसी दिन यह संकेत भी सामने आया कि शेख हसीना की अवामी लीग को आगामी चुनावों से बाहर रखा जा सकता है। यह संयोग कम और रणनीति अधिक प्रतीत होता है। बीएनपी इस समय चुनावी गणित के लिहाज से सबसे मजबूत स्थिति में है और तारिक रहमान को देश का अगला प्रधानमंत्री माने जाने की चर्चा तेज है। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अवामी लीग के बिना होने वाला चुनाव बांग्लादेश की जनता की वास्तविक इच्छा को प्रतिबिंबित कर पाएगा? लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का नाम नहीं, बल्कि सभी प्रमुख राजनीतिक धाराओं को समान अवसर देने की प्रक्रिया है। यदि किसी एक बड़े दल को सुनियोजित ढंग से बाहर रखा जाता है, तो चुनाव की वैधता पर संदेह स्वाभाविक है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोहम्मद यूनुस की सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले और कानून-व्यवस्था की बदहाली को लेकर मानवाधिकार संगठनों की चिंताएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद यह आश्चर्यजनक है कि भारत जैसे पड़ोसी देश से, जहाँ बांग्लादेश के घटनाक्रम का सीधा प्रभाव पड़ता है, अपेक्षित स्तर की कूटनीतिक और नैतिक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खालिदा जिया के स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए भारत की ओर से सहयोग की पेशकश करना एक सकारात्मक संकेत है, और बीएनपी द्वारा उसका स्वीकार किया जाना दोनों देशों के बीच नए समीकरणों की ओर इशारा करता है। लेकिन यह भी सच है कि यह निकटता स्वार्थों की राजनीति से पूरी तरह मुक्त नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हो रहे हमले अब केवल आंतरिक कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गए हैं, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, कूटनीतिक जिम्मेदारी और नैतिक सरोकार से सीधे जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। हाल ही में अमृत मंडल नामक एक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या की घटना इस बात का प्रमाण है कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति थमने के बजाय और अधिक निर्भीक होती जा रही है। धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा, मंदिरों पर हमले, जबरन पलायन और भय का वातावरण बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख को गहरा आघात पहुँचा रहे हैं। भारत सरकार के लिए अब यह अनदेखा करने का विषय नहीं रह गया है; आवश्यकता है कि वह कूटनीतिक स्तर पर सख्त संदेश दे, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाए और यह स्पष्ट करे कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है।

आगामी चुनावों के संदर्भ में इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को एक केंद्रीय मुद्दा बनाया जाना चाहिए, क्योंकि भय और असुरक्षा के वातावरण में निष्पक्ष चुनाव की कल्पना ही बेमानी है। बांग्लादेश में यदि वास्तव में लोकतंत्र की बहाली का दावा किया जा रहा है, तो वहां ऐसी सरकार का गठन आवश्यक है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सम्मान की गारंटी दे सके। हिंदुओं सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना न तो राजनीतिक स्थिरता संभव है और न ही क्षेत्रीय शांति। भारत की भूमिका इस संदर्भ में केवल पड़ोसी देश की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार क्षेत्रीय शक्ति की है, जिसे मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए आवश्यक कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटना होगा।

बांग्लादेश आज जिस मुसीबत के भंवर में फँसा है, उसके पीछे आंतरिक कारकों के साथ-साथ बाहरी प्रभावों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की ऐतिहासिक भूमिका और कट्टरपंथी नेटवर्कों के साथ उसके संबंधों को देखते हुए यह आशंका निराधार नहीं कि बांग्लादेश की अस्थिरता में परोक्ष योगदान बाहरी शक्तियों का भी हो सकता है। ऐसे में मोहम्मद यूनुस की यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अंतरिम सरकार को निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक दिशा में ले जाएँ। लेकिन अब तक के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि वे हालात को संभालने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। फिर भी, इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच तारिक रहमान के बयानों और राजनीतिक स्वरों में कुछ लोग समाधान की झलक देखते हैं। यह उम्मीद इस विश्वास पर टिकी है कि बीएनपी, चाहे उसका अतीत विवादास्पद रहा हो, सत्ता में आकर कट्टरपंथी दबावों को संतुलित कर सकेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करेगी। किंतु यह भी एक कड़वा सत्य है कि कट्टरपंथी ताकतों से लोकतंत्र बहाल होने की उम्मीद अपने आप में एक विरोधाभास है।

अंततः बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है-क्या वह एक समावेशी, बहुदलीय और संवैधानिक लोकतंत्र की राह चुनेगा या फिर सत्ता-संघर्ष और कट्टरपंथ की दलदल में और गहराता जाएगा? इसका उत्तर केवल किसी एक नेता या दल के हाथ में नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विवेक में है, जो आने वाले महीनों में देश की दिशा तय करेगा। यदि निष्पक्ष चुनाव, कानून का राज और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो तारिक रहमान की वापसी भी इतिहास में एक और चूके हुए अवसर के रूप में दर्ज हो सकती है।

संपादकीय

न्याय-अन्याय के बीच

उन्नाव दुराचार मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के खिलाफ शुक्रवार को पीड़िता की मां समेत कई लोगों ने दिल्ली हाईकोर्ट के सामने प्रदर्शन किया। वे दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उन्नाव रेप केस के दोषी पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दे दी थी। जिसके बाद फैसले को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। पीड़िता की मां इस जमानत को रद्द करने और शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने की बात कहती रही हैं। वे अपने पति के हत्यारों को फांसी देने की गुहार लगाती नजर आईं। विपक्षी नेता भी आरोप लगाते रहे हैं जिस तरह तकनीकी आधार पर दोषी को छूट दी गई है, उसमें न्यायिक प्रणाली के लिये गलत परंपरा विकसित होगी। जिससे पीड़िता के परिवार का ही नहीं, बल्कि देश की महिलाओं का भरोसा भी टूटेगा। दरअसल, वर्ष 2017 में हुए इस बहुचर्चित मामले में पूर्व विधायक को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनायी गई थी। जिसे हाईकोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ पिछले दिनों जमानत दे दी। जिसके खिलाफ पीड़ित पक्ष और कतिपय महिला संगठन मुखर हुए हैं। बल्कि इस मामले की सर्वाइवर का कहना था कि यदि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर होगा तो सुरक्षा के लिये मुझे जेल भेज दिया जाए। उल्लेखनीय है कि सजा मिलने के छह साल बाद हाईकोर्ट की एक बैंच ने उसकी सजा निलंबित कर दी थी। पूर्व विधायक को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के तीन जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया था। सजा निलंबित होने के कुछ ही घंटों के बाद पीड़िता व कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनका आरोप था कि उत्तर प्रदेश के अगले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दोषी को जमानत दी गई है। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि दोषी व्यक्ति जेल से बाहर रहेगा तो उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस मामले में विपक्षी राजनीतिक दलों की भी तल्ख प्रतिक्रियाएं आई हैं। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता ने इस जमानत को निराशाजनक बताया। उल्लेखनीय है कि इस अपराध के सामने आने में दस माह लगे थे। मामले के तूल पकड़ने पर पीड़िता के पिता पर हमला हुआ था। उन्हें बाद में जेल भेज दिया गया था और पुलिस हिरासत में रहस्यमय ढंग से उनकी मृत्यु हो गई थी। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि जमानत की अवधि में सेंगर सर्वाइवर के पांच किमी के दायरे में नहीं आएंगे और दिल्ली में ही रहेंगे। उसे हर सोमवार पुलिस के समक्ष रिपोर्ट करने का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी कि किसी भी शर्त के उल्लंघन में जमानत रद्द कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सेंगर ने ट्रायल कोर्ट में दुराचार के लिये दोषी ठहराने वाले फैसले को चुनौती दी थी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था, उसके खिलाफ बलात्कार, अपहरण और आपराधिक धमकी के आरोप लगे। साथ ही पोक्सो एक्ट के तहत भी मामला दर्ज हुआ था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इससे जुड़े चार मामलों की सुनवाई दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। इस बीच रायबरेली जाते समय पीड़िता की कार को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी, जिसमें उनकी दो मौसियों की मौत हो गई थी। यही वजह है कि ट्रायल कोर्ट ने दुराचार के मामले में सेंगर को दोषी ठहराते हुए न केवल आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी बल्कि निर्देश दिया था कि सीबीआई सर्वाइवर और उसके परिवार के जीवन व स्वतंत्रता की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे।

बाला साहेब की विरासत और मराठी अस्मिता की वापसी, उद्धव-राज की एकता से बदली मुंबई की राजनीति

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

कट्टर हिंदुत्ववादी और मराठी अस्मिता के प्रखर प्रतीक बाला साहेब ठाकरे के जाने के बाद जिस शिवसेना की राजनीति बिखराव, टूट और आपसी संघर्ष की मिसाल बन गई थी, वही राजनीति अब एक बार फिर एकता के सूत्र में बंधती दिखाई दे रही है। वर्षों तक एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने ऽबंटेंगे तो बिखरेंगेऽ की सोच के साथ आगामी महानगरपालिका चुनाव एक साथ लड़ने का निश्चय कर महाराष्ट्र की राजनीति में नया अध्याय खोल दिया है। यह फैसला सिर्फ एक चुनावी समझौता नहीं, बल्कि बाला साहेब की विरासत को फिर से जीवित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

बाला साहेब ठाकरे के जीवित रहते शिवसेना एक मजबूत कैडर आधारित पार्टी थी, जिसकी जड़ें मुंबई से लेकर महाराष्ट्र के कोने-कोने तक फैली थीं। मराठी मानुस, हिंदुत्व और आक्रामक राजनीति का जो मेल बाला साहेब ने तैयार किया था, उसने दशकों तक कांग्रेस, बाद में बीजेपी तक को चुनौती दी। उनके जाने के बाद शिवसेना नेतृत्व विहीन होती चली गई। उद्धव ठाकरे ने संगठन को संभालने की कोशिश की, लेकिन पार्टी में वैचारिक और सांगठनिक खींचतान बढ़ती गई। दूसरी ओर राज ठाकरे, जो अपने चाचा बाला साहेब के सबसे तेजतर्रार राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाते थे, 2005 में शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना लेकर आए। उस वक्त यह बंटवारा भावनात्मक भी था और राजनीतिक भी।

बीते बीस वर्षों में उद्धव और राज की राजनीति अलग-अलग दिशाओं में चलती रही। राज ठाकरे ने मराठी मुद्दों को तीखे तेवरों में उठाया, उत्तर भारतीयों और गैर-मराठियों के खिलाफ आक्रामक बयान देकर सुर्खियां बटोरीं, लेकिन संगठनात्मक विस्तार में वह शिवसेना जैसी पकड़ नहीं बना पाए। उद्धव ठाकरे ने अपेक्षाकृत संतुलित राजनीति अपनाई, बीजेपी के साथ सरकार चलाई और फिर अलग होकर कांग्रेस-एनसीपी के साथ सत्ता में आए। इसके बाद शिवसेना में टूट, एकनाथ शिंदे का विद्रोह और पार्टी का विभाजन हुआ। इन सियासी आरोह-अवरोह के बाद उद्धव ठाकरे खुद को हाशिये पर महसूस करने लगे, जबकि राज ठाकरे भी लंबे समय से अलग-थलग पड़े नजर आ रहे थे।

ऐसे में दोनों नेताओं का एक मंच साझा करना स्वाभाविक नहीं, बल्कि परिस्थितियों की देन है। मुंबई महानगरपालिका चुनाव, जो महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी माना जाता है, दोनों के लिए अस्तित्व की लड़ाई बन गया था। यही कारण है कि 20 साल बाद शिवसेना (यूबीटी) और मनसे का चुनावी गठबंधन अस्तित्व में आया। यह गठबंधन मराठी वोटों के एकीकरण का बड़ा प्रयास है। उद्धव ठाकरे का यह कहना कि हमारी सोच एक है, सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि अतीत की कड़वाहट को पीछे छोड़ने का संकेत है।

दोनों नेताओं का शिवाजी पार्क पहुंचकर बाला साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करना प्रतीकात्मक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है। शिवाजी पार्क वही जगह है जहां से बाला साहेब ठाकरे ने दशकों तक मराठी राजनीति को दिशा दी। यहीं उनकी दहाड़ गूंजती थी और यहीं से शिवसेना की ताकत का प्रदर्शन होता था। उद्धव और राज का एक साथ वहां पहुंचना यह संदेश देता है कि वे बाला साहेब की विरासत को विभाजित नहीं, बल्कि संरक्षित करना चाहते हैं।

राज ठाकरे का यह कहना कि

मुंबई का मेयर मराठी होगा। सीधे-सीधे मराठी अस्मिता का मुद्दा है। यह बयान उन शहरी, गुजराती और उत्तर भारतीय वोट बैंक को भी संदेश देता है कि मराठी राजनीति एक बार फिर संगठित हो रही है। हालांकि यह गठबंधन बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है, क्योंकि अब तक बीजेपी ने शहरी इलाकों, गुजराती और उत्तर भारतीय मतदाताओं में मजबूत पकड़ बना ली थी। मराठी वोटों का बिखराव बीजेपी के लिए फायदेमंद रहा, लेकिन उद्धव-राज की एकता उस समीकरण को बदल सकती है। बाला साहेब ठाकरे के कार्यकाल की एक रोचक और चर्चित घटना आज भी मुंबई की राजनीति में किस्से की तरह सुनाई जाती है। 1990 के दशक में जब मुंबई में दंगे और अराजकता का माहौल था, तब बाला साहेब ने अपने खास अंदाज में कहा था कि अगर शिवसेना सड़क पर उतर आई, तो पुलिस भी पूछेगी कि आदेश किसका मानें। यह बयान सिर्फ धमकी नहीं था, बल्कि उनकी पकड़ और कैडर की ताकत का प्रतीक था। उस दौर में शिवसेना का नेटवर्क इतना मजबूत था कि मुंबई की गलियों से लेकर महानगरपालिका तक उसका दबदबा था। बाला साहेब नेताओं से ज्यादा कार्यकर्ताओं पर भरोसा करते थे और यही वजह थी कि शिवसेना एक आंदोलन की तरह काम करती थी।

आज वही नेटवर्क कमजोर पड़ चुका है। शिवसेना के कैडर में असमंजस है कि किस धड़े के साथ जाएं। उद्धव ठाकरे के समर्थक भावनात्मक रूप से बाला साहेब की विरासत को अपना मानते हैं, जबकि शिंदे गुट सत्ता और संगठनात्मक ताकत के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे में मनसे के साथ गठबंधन उद्धव के लिए संजीवनी साबित हो सकता है। राज ठाकरे के पास भले ही सीमित सीटें हों, लेकिन उनकी भाषण कला और मराठी मुद्दों पर पकड़ आज भी असर रखती है।

आगामी 15 जनवरी को होने वाले चुनाव इस गठबंधन की असली परीक्षा होंगे। यह सिर्फ सीटों की लड़ाई नहीं, बल्कि मराठी राजनीति की दिशा तय करने वाला मुकाबला होगा। अगर दोनों पार्टियां मिलकर अच्छा प्रदर्शन करती हैं, तो यह संकेत होगा कि बाला साहेब की विरासत आज भी प्रासंगिक है। अगर नाकामी मिली, तो यह सवाल उठेगा कि क्या समय बदल चुका है और मराठी राजनीति अब नए चेहरों और नए मुद्दों की मांग कर रही है।

एक बात तय है कि उद्धव और राज का साथ आना महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचाने वाला कदम है। यह गठबंधन भावनाओं, विरासत और अस्तित्व की राजनीति का संगम है। बाला साहेब ठाकरे ने जिस मराठी स्वाभिमान और आक्रामक राजनीति की नींव रखी थी, वह आज नए संदर्भ में लौट रही है। अब देखना यह है कि यह एकता सिर्फ चुनाव तक सीमित रहती है या भविष्य में मराठी राजनीति की स्थायी धुरी बन पाती है। मुंबई और महाराष्ट्र की सियासत के लिए यह फैसला इतिहास में दर्ज होने वाला है।

(रु 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड,नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार)

प्रोध पर काबू पाना सीखों

यदि आपको कोई कुत्ता कहता है तो आप उसे भौंकें नहीं बल्कि मुस्कुराएँ। गालियाँ देने वाला स्वयं ही शर्मिन्दा हो जाएगा। अन्यथा सचमुच कुत्ता बन जाओगे। यह बात राष्ट्रसंत मुनिश्री तरुण सागर जी महाराज ने प्रवचन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको गालियाँ देता है और आप उसे स्वीकार नहीं करते तो वह गालियाँ उसी के पास रह जाती हैं। भगवान महावीर को भी लोगों ने गालियाँ दीं। उन्होंने कहा कि जीवन में शांति पाने के लिए प्रोध पर काबू पाना सीख लो। जिसने जीवन से समझौता करना सीख लिया वह संत हो गया। वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहने की आवश्यकता है।

तथाकथित आधुनिक सभ्यता एवं पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही नई पीढ़ी को समझाइश देते हुए मुनिश्री ने कहा कि शादी करना है तो जागते हुए करो। परिजनों की मर्जी को दरकिनार कर घर से भागने की प्रवृत्ति आपके जीवन को अंधकारमय बना सकती है। उन्होंने युवतियों से कहा कि कभी भी घर से भागकर शादी मत करना। विधर्मी से शादी करने पर आपको वह सब भी करना पड़ सकता है जिसकी कल्पना आपने कभी न की होगी। उन्होंने कहा कि फिल्म के तीन घन्टे तथा जीवन में काफी अंतर होता है। वास्तु शास्त्र, ज्योतिष व धर्म के नाम पर पाखण्ड एवं ग्लैमर की चकाचौंध को लेकर श्रद्धालुओं को खबरदार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि जिसके भाग्य में जो लिखा है वही मिलेगा और परेशान होने से कुछ अतिरिक्त प्राप्त नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च सत्ता ईश्वर ही होता है और वह यदि आपसे नाराज है तो दुनिया की कोई ताकत या वास्तु शास्त्र आदि आपकी मदद नहीं कर सकता।

विचार मंथन

रहमान के पास बांग्लादेश के लिए कौन-सा प्लान?

लेखक- सनत जैन

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने से लेकर आज तक हिंसा का जो दौर चला है वह किसी भी शांतिप्रिय पड़ोसी देश को चिंता में डाल सकता है। हद यह है कि मौजूदा हालात राजनीतिक तख्तापलट से निकलकर अब अल्पसंख्यकों के खिलाफ खूनी हिंसा तक आ गए हैं। ऐसे बिगड़े हालात में भी यदि बांग्लादेश की राजनीति में एक नई हलचल दिखाई दे रही है, तो यह वाकई काबिले जिक्र बात है। दरअसल 17 वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद लंदन से लौटे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के ऐक्टिंग चेयरमैन तारिक रहमान का ढाका में हुआ भव्य स्वागत केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह आने वाले समय की एक धुंधली तस्वीर है। लाखों समर्थकों की मौजूदगी में खालिदा जिया के बेटे रहमान ने अपने भाषण से साफ संदेश दे दिया है कि जो पहले हुआ अब वह नहीं होगा और इसी के साथ ही बांग्लादेश की राजनीति एक नए अध्याय में प्रवेश करती नजर आई है। तारिक रहमान का स्वदेश लौटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं और बीएनपी के भीतर उन्हें भविष्य के प्रधानमंत्री के रूप में देखा जा रहा है। उनके स्वागत में उमड़ी लाखों की भीड़ ने यह भी साबित कर दिया कि लंबे समय तक देश से बाहर रहने के बावजूद उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक स्वीकार्यता खत्म नहीं हुई है। बहरहाल यहां सवाल यह है कि रहमान जिस ऽप्लानऽ की बात कर रहे हैं, वह क्या है और क्या वह बांग्लादेश की मौजूदा चुनौतियों का समाधान कर सकता है? अपने पहले बड़े सार्वजनिक संबोधन में तारिक रहमान ने खुद की तुलना सीधे तौर पर किसी व्यक्ति से नहीं की, लेकिन मार्टिन लूथर किंग के ऐतिहासिक ऽआई हैव ए ड्रीमऽ भाषण का संदर्भ देकर उन्होंने अपने इरादों को जाहिर जरूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके पास केवल एक सपना नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए एक ठोस योजना है। यह योजना लोकतंत्र की रक्षा, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा और समावेशी विकास पर आधारित है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में हैं। दुनियां के तमाम शीर्ष देशों की नजरें इस समय बांग्लादेश पर इसलिए भी टिकी हुई हैं, क्योंकि चीन और पाकिस्तान यहां पर लगातार घुसपैठ करने की फिराक में चालें चले जा रहे हैं। भारत से बढ़ती दूरियां और बिगड़ते हालात के चलते बांग्लादेश की जनता को अब रहमान के तौर पर नए दौर के आगाज का आभास हो रहा है। रहमान भी इसे बखूबी समझ रहे हैं, इसलिए उनका प्लान भाषणों में व्यापक और भावनात्मक दिखाई देता है। उनके प्लान के केंद्र में तीन प्रमुख बातें उभरकर आती हैं। पहली, लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली। उन्होंने साफ कहा कि बांग्लादेश के लोग आज अपने बोलने के अधिकार और राजनीतिक स्वतंत्रता की सुरक्षा चाहते हैं। यह बयान मौजूदा राजनीतिक माहौल में सत्ता और विपक्ष के बीच बढ़ती खाई की ओर इशारा करता है। दूसरी, सामाजिक सौहार्द और शांति। अपने 15 मिनट के भाषण में तीन बार शांति का जिक्र करना यूं ही नहीं था। बांग्लादेश ने हाल के वर्षों में राजनीतिक हिंसा, टकराव और असहिष्णुता के कई दौर देखे हैं। रहमान का यह कहना कि यह देश यहां रहने वाले सभी लोगों का है और किसी के साथ राजनीतिक विचारधारा या मजहब के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।

हालांकि, राजनीति में ऐसे वादे पहले भी किए गए हैं, लेकिन जमीन पर उन्हें लागू करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। तीसरी और सबसे संवेदनशील बात है, राजनीतिक संघर्ष में शहादत और न्याय की मांग। शरीफ उस्मान हादी की हत्या का जिक्र कर रहमान ने साफ संदेश दिया कि वे लोकतंत्र के नाम पर हुई हिंसा को भुलाने के पक्ष में नहीं हैं। खून का कर्ज जैसे शब्द उनके भाषण को भावनात्मक ऊंचाई देते दिखे हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी खड़ा करते हैं कि क्या यह भाषा आगे चलकर टकराव को और तेज करेगी या न्यायपूर्ण राजनीति का रास्ता खोलेगी। स्वदेश वापसी के बाद रहमान का दावा है कि 1971 में आजादी और 2024 में संप्रभुता की रक्षा के बाद अब बांग्लादेश एक तीसरे चरण में प्रवेश कर रहा है, जहां नागरिक अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्य सबसे बड़ी प्राथमिकता होंगे। यह कथन आकर्षक है, लेकिन इसके लिए केवल भीड़ और नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतियों और भरोसेमंद नेतृत्व की जरूरत होगी। असल चुनौती यही है कि रहमान का प्लान कितना स्पष्ट और व्यावहारिक है। फिलहाल यह योजना एक व्यापक दृष्टि और भावनात्मक अपील के रूप में सामने आई है। आम जनता को जोड़ने की उनकी कोशिश सफल होती दिख रही है, लेकिन बांग्लादेश जैसे जटिल राजनीतिक परिदृश्य में केवल भावनाओं के सहारे स्थायी बदलाव संभव नहीं होता।

कोफोर्ज 2.35 अरब डॉलर में करेगी एनकोरा का अधिग्रहण

मुंबई । भारतीय आईटी कंपनी कोफोर्ज यूएस-बेस्ड डिजिटल इंजीनियरिंग फर्म एनकोरा को 2.35 अरब डॉलर में खरीदेगी। यह अधिग्रहण शेयर स्वैप के जरिए` किया जाएगा, जिसमें एनकोरा के शेयरहोल्डर्स कोफोर्ज की पोस्ट-इश्यू इक्विटी का लगभग 21.25 फीसदी हिस्सा प्राप्त करेंगे। कोफोर्ज 9.38 करोड़ नए शेयर 1,815.91 रुपये प्रति शेयर जारी करेगा, जिससे नॉन-कैश कंसीडरेशन लगभग 17,032 करोड़ रुपये होगा। सौदे का 1.89 अरब हिस्सा इक्विटी के माध्यम से फंड किया जाएगा, जबकि शेष राशि ब्रिज लोन या क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट से जुटाई जाएगी। एनकोरा क्लाउड-नेटिव एप्लिकेशन, डेटा इंजीनियरिंग, प्लेटफॉर्म मॉडर्नाइजेशन और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसी सेवाओं में माहिर है। कंपनी की मजबूत नॉर्थ अमेरिका प्रेजेंस है और इसका मालिकाना हक एडवेंट इंटरनेशनल के पास है।

एसआईपी निवेश 2025 में पहली बार 3 लाख करोड़ के पार

मुंबई । साल 2025 में म्युचुअल फंड योजनाओं के तहत सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश ने पहली बार किसी` वित्तीय वर्ष में 3 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया। नवंबर 2025 तक निवेशकों ने एसआईपी के जरिए कुल 3.04 लाख करोड़ निवेश किए, जबकि साल 2024 में यह राशि 2.69 लाख करोड़ थी। साल 2025 में एक्टिव इक्विटी योजनाओं में एसआईपी निवेश 2.3 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जो पिछले साल से 3 फीसदी ज्यादा है। कुल एसआईपी निवेश में 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी योजनाओं का था। एसआईपी का कुल निवेश में योगदान 37 फीसदी रहा, जो 2024 में 27 फीसदी था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2025 तक एसआईपी के प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां 16.53 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गईं, जो म्युचुअल फंड उद्योग के कुल एयूएम का 20 फीसदी से अधिक है।

चालू वित्त वर्ष में ट्रैक्टर बिक्री 15-17 फीसदी बढ़ने का अनुमान

मुंबई । एक रेटिंग एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष में ट्रैक्टर की थोक बिक्री में 15-17 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। इससे पहले यह अनुमान 8-10 प्रतिशत था। नवंबर में थोक बिक्री में 30.1 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जबकि अप्रैल से नवंबर तक कुल वृद्धि 19.2 प्रतिशत रही। ट्रैक्टर पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे किसानों के लिए ट्रैक्टर खरीदना आसान हुआ है। अलग-अलग हॉर्सपावर वाले ट्रैक्टर में यह कटौती 40,000 से 1,00,000 रुपए तक की बचत का कारण बनी। पर्याप्त वर्षा और बेहतर फसल परिणामों ने किसानों की आय में सुधार किया है। इसके अलावा अगले साल अप्रैल से लागू होने वाले सख्त उत्सर्जन मानक के चलते लोग पुराने मानक वाले ट्रैक्टर की खरीद में तेजी दिखा सकते हैं। रे टिंग एजेंसी के अनुसार यह बढ़ोतरी नीतिगत समर्थन, अनुकूल कृषि परिणाम और जीएसटी कटौती के संयुक्त प्रभाव का नतीजा है और ट्रैक्टर उद्योग में तेजी और विस्तार के दौर को दर्शाती है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 693 अरब डॉलर पहुंचा

पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 688 अरब डॉलर था

मुंबई ।

आरबीआई के ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 19 दिसंबर 2025 को समाप्त सप्ताह में 4.368 अरब डॉलर बढ़कर 693.318 अरब डॉलर हो गया। इससे पहले भंडार 688.949 अरब डॉलर था। इस वृद्धि से यह संकेत मिलता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। विदेशी मुद्रा संपत्तियों में इस सप्ताह 1.641 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई और ये 559.428 अरब डॉलर तक पहुंच गईं। इसमें यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव शामिल है। सोने के भंडार में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई, जो 2.623 अरब डॉलर बढ़कर 110.365 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय सोने की कीमतों में तेजी ने इसमें अहम भूमिका निभाई। विशेष आहरण अधिकार 8 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.744 अरब डॉलर हो गए। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की रिज़र्व स्थिति 4.782 अरब डॉलर तक पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते विदेशी मुद्रा भंडार से रुपये की स्थिरता बनी रहती है और आयात तथा बाहरी कर्ज भुगतान में आसानी होती है। आरबीआई के अधिकारी इसे अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत मानते हैं। हालांकि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति के दबाव जारी हैं, विशेषज्ञों का कहना है कि भंडार को और मजबूत करना आवश्यक है। आने वाले हफ्तों में आरबीआई की अगली रिपोर्ट पर नजर रहेगी, जो भारत की अर्थव्यवस्था के रुझानों को और स्पष्ट करेगी।

केरल में क्रिसमस पर बिकी 332 करोड़ की शराब

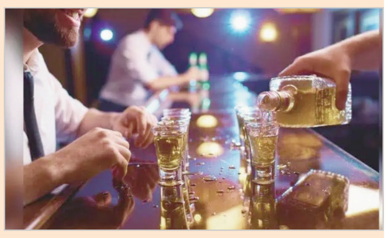

तिरुवनंतपुरम । केरल में क्रिसमस उत्सव के दौरान केरल स्टेट बेवरेजेज़ कॉरपोरेशन (केएसबीसी) की शराब बिक्री में जोरदार वृद्धि दर्ज की गई। अधिकारियों के अनुसार 22 से 25 दिसंबर के बीच केएसबीसी की दुकानों और गोदामों से कुल 332.62 करोड़ रुपये की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 229.54 करोड़ रुपये था। 22 दिसंबर को 77.62 करोड़, 23 दिसंबर को 81.34 करोड़, 24 दिसंबर को 114.45 करोड़ और 25 दिसंबर को 59.21 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। 24 दिसंबर को सबसे अधिक बिक्री हुई। केएसबीसी का त्योहारी मौसम 22 से 31 दिसंबर तक माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि नए साल (30 और 31 दिसंबर) के जश्न के दौरान शराब की बिक्री और बढ़ने की संभावना है।

इंडिगो उड़ान संकट की जांच समिति ने डीजीसीए को रिपोर्ट सौंपी

- रिपोर्ट के निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं किए गए

नई दिल्ली ।

इंडिगो एयरलाइन की सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने की घटना की जांच के लिए डीजीसीए ने चार-सदस्यीय समिति बनाई थी। समिति के अध्यक्ष संयुक्त महानिदेशक संजय के. ब्रम्हाणे थे। अन्य सदस्य थे उप महानिदेशक अमित गुप्ता और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मांगलिक व कैप्टन रामपाल। समिति ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट डीजीसीए को सौंप दी। रिपोर्ट की प्रतियां नागर विमानन मंत्री और सचिव को भी भेजी गई हैं। रिपोर्ट के निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इस महीने की शुरुआत में एक दिन में 1,600 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कई उड़ानें घंटों देरी से रवाना हुईं। मुख्य कारण था एयरलाइन द्वारा नए चालक दल तैनाती और विश्राम नियमों के पालन में समय पर तैयारी न करना। डीजीसीए ने इंडिगो को शीतकालीन उड़ानों में 10 फीसदी कटौती करने का निर्देश दिया। सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रे पोर्केरास को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। नियमों के दूसरे चरण के पालन में कमी के कारण प्रतिदिन 170-200 उड़ानें रद्द हुईं।

भदोही सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने सूरत में समझी साड़ी निर्माण की प्रक्रिया

सूरत। भदोही (उत्तरप्रदेश) से लोकसभा सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद ने शनिवार को सूरत के पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति प्रॉसेस हाउस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लक्ष्मीपति ग्रुप के चेयरमैन संजय सरावगी से मुलाक़ात की और मिल की कार्यप्रणाली को नज़दीक से देखा।

दौरे के दौरान सांसद डॉ. बिंद ने कच्चे माल से लेकर तैयार साड़ी तक की पूरी निर्माण प्रक्रिया को बारीकी से समझा। आधुनिक मशीनरी, उच्च गुणवत्ता नियंत्रण और सुव्यवस्थित उत्पादन प्रणाली को देखकर उन्होंने लक्ष्मीपति ग्रुप के कार्यों की सराहना की।

डॉ. बिंद ने कहा कि लक्ष्मीपति ग्रुप न केवल साड़ी उद्योग में गुणवत्ता और नवाचार के लिए जाना जाता है, बल्कि कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्य वातावरण, सुरक्षा और सुविधाओं की व्यवस्था कर एक आदर्श उद्योग मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। यही कारण है कि कंपनी निरंतर प्रगति करते हुए सफलता की नई ऊँचाइयों को छू रही है।

लक्ष्मीपति ग्रुप के चेयरमैन संजय सरावगी ने कंपनी की कार्यशैली, कर्मचारियों के कल्याण हेतु की जा रही व्यवस्थाओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की मेहनत और टीमवर्क ही कंपनी की सफलता की सबसे बड़ी ताकत है।

इस अवसर पर लक्ष्मीपति ग्रुप द्वारा सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद का पारंपरिक रूप से स्वागत एवं सम्मान किया गया। दौरे के अंत में सांसद ने उद्योग और श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय को देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक बताया।

इंडिगो उड़ान संकट की जांच समिति ने डीजीसीए को रिपोर्ट सौंपी

- रिपोर्ट के निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं किए गए

नई दिल्ली ।

इंडिगो एयरलाइन की सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने की घटना की जांच के लिए डीजीसीए ने चार-सदस्यीय समिति बनाई थी। समिति के अध्यक्ष संयुक्त महानिदेशक संजय के. ब्रम्हाणे थे। अन्य सदस्य थे उप महानिदेशक अमित गुप्ता और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मांगलिक व कैप्टन रामपाल। समिति ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट डीजीसीए को सौंप दी। रिपोर्ट की प्रतियां नागर विमानन मंत्री और सचिव को भी भेजी गई हैं। रिपोर्ट के निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इस महीने की शुरुआत में एक दिन में 1,600 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कई उड़ानें घंटों देरी से रवाना हुईं। मुख्य कारण था एयरलाइन द्वारा नए चालक दल तैनाती और विश्राम नियमों के पालन में समय पर तैयारी न करना। डीजीसीए ने इंडिगो को शीतकालीन उड़ानों में 10 फीसदी कटौती करने का निर्देश दिया। सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रे पोर्केरास को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। नियमों के दूसरे चरण के पालन में कमी के कारण प्रतिदिन 170-200 उड़ानें रद्द हुईं।

कैब से राइड बुक करने पर आपको मिलेगा अब ड्राइवर चुनने का ऑप्शन

नई दिल्ली ।

कैब से राइड बुक करने पर अब आपको ओला, उबर और रैपिडो जैसे एप में सेम जेंडर का ड्राइवर चुनने का ऑप्शन मिलेगा। नए नियमों का का मकसद पैसेंजर्स की सेफ्टी बढ़ाना है। ग्राहक अब ट्रिप पूरी होने के बाद ड्राइवर को टिप भी दे सकेंगे।

इस टिप की पूरी रकम ड्राइवर को ही मिलेगी। विशेषकर महिला पैसेंजर्स के लिए फीमेल ड्राइवर चुनने की सुविधा होगी। सरकार ने मोटर व्हीकल एग्रीगेटर्स गाइडलाइंस, 2025 में बदलाव किए हैं। राज्यों को इसे लागू करने के लिए कहा गया है। नोटिफिकेशन में अभी कोई स्पष्ट प्रभावी तारीख नहीं दी गई है, इसलिए यह जारी होने की तारीख से ही प्रभावी माना जाता है। जुलाई 2025 में जब मोटर व्हीकल एग्रीगेटर्स की मूल गाइडलाइंस जारी की गई थी तो राज्यों को इन्हें अपनाने के लिए 3 महीने का समय दिया गया था। संशोधन के लिए भी कुछ ऐसा ही हो सकता है, लेकिन अभी कोई फिक्स्ड टाइमलाइन नहीं बताई गई है। ये गाइडलाइंस केंद्र सरकार की हैं।

राज्य सरकारें इन संशोधनों को अपनी लाइसेंसिंग प्रक्रिया में शामिल करेंगी। एग्रीगेटर्स को अपना एप अपडेट करना होगा जैसे क्लॉज 15.6 के तहत समान लिंग के ड्राइवर चुनने का फीचर जोड़ना। कंपनियां लाइसेंस बनाए रखने या रिन्यू करने के लिए अनुपालन करेंगी। यदि नहीं किया, तो लाइसेंस सस्पेंड या कैंसल हो सकता है। व्यावहारिक रूप से, कंपनियों को ऐप में बदलाव करने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन अनुपालन अनिवार्य है। सरकार के फैसले पर इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसे लागू करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कैब एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म्स से जुड़े अधिकारी ने बताया, फिलहाल पूरे देश में कुल कैब ड्राइवरों में महिलाओं की हिस्सेदारी 5प्रतिशत से भी कम है। ऐसे में समान जेंडर ड्राइवर चुनने का ऑप्शन प्रैक्टिकल नहीं लगता। इससे ऑन-डिमांड सर्विस की प्रकृति प्रभावित होगी।

महिला ड्राइवरों की कमी की वजह से बुकिंग के दौरान वेटिंग टाइम काफी बढ़ सकता है, खासकर लेट नाइट में जब डिमांड ज्यादा होती है और ड्राइवर्स कम उपलब्ध होते हैं।

भारतीय शेयर बाजार ने 2025 में कई चुनौतियों का सामना किया

- वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू निवेशकों ने बाजार को स्थिर रखा

मुंबई । वर्ष 2025 में भारतीय शेयर बाजार ने कई चुनौतियों का सामना किया। वैश्विक व्यापार तनाव, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक घटनाओं के बावजूद घरेलू अर्थव्यवस्था स्थिर रही। साल के अधिकांश समय बाजार सीमित दायरे में रहा, लेकिन दिसंबर तक निफ्टी ने लगभग 26,325 के नए शिखर को छू लिया। मिडकैप स्टॉक्स ने लगभग 6 प्रतिशत रिटर्न दिया और मजबूती दिखाई, जबकि स्मॉलकैप स्टॉक्स में उतार-चढ़ाव अधिक देखा गया और यह लगभग छह प्रतिशत गिर गया।

डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर ने 50 से 70 प्रतिशत तक तेजी दिखाई, सरकारी ऑर्डर और बजट के सहारे। ऑटो, इलेक्ट्रिक वाहन और कैपिटल गुड्स में 21 से 55 प्रतिशत तक रिटर्न देखने को मिला। टेलिकॉम और डिजिटल कंपनियों के शेयरों ने भी टेक्नॉलॉजी और एआई पर बढ़ते खर्च के चलते 30 से 45 प्रतिशत तक का मजबूत प्रदर्शन किया । फाइनेंशल सेक्टर में बैंक ने मजबूत आधार बनाए रखा और बाजार में सहारा दिया। आरबीआई ने ब्याज दर में कमी करके और पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराकर बाजार का सहयोग किया। सरकार ने खपत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जीएसटीसुधार और टैक्स में राहत के जरिए घरेलू मांग को बढ़ावा दिया।

इस साल प्राइमरी मार्केट के लिए भी खास रहा, जहां 90 से अधिक आईपीओ आए और 1.77 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। 2025 का निवेशकों के लिए सबक यह है कि अनुशासन बनाए रखना, क्वॉलिटी बिजनेस पर ध्यान देना और लंबी अवधि के निवेश पर जोर देना बेहद जरूरी है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू निवेशकों ने बाजार को स्थिर रखा और डिफेंस, ऑटो, फाइनेंशल और डिजिटल सेक्टर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। सरकारी और आरबीआई नीतियों ने सहारा दिया और नए साल के लिए सकारात्मक माहौल की उम्मीद जगाई।

18 एफटीए के बावजूद भारत के निर्यात की रफ्तार सुस्त

- नए समझौतों से ज़्यादा मौजूदा एफटीए से ठोस लाभ पर फोकस की जरूरत

नई दिल्ली । भारत ने अब तक एक के बाद एक 18 मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसके बावजूद देश के निर्यात में अपेक्षित तेजी देखने को नहीं मिल रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अब नए एफटीए करने के बजाय मौजूदा समझौतों से वास्तविक और ठोस निर्यात लाभ सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 825 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। वहीं वित्त वर्ष 2026 में इसके करीब 850 अरब डॉलर तक ही रहने का अनुमान है।

यह बढ़त अपेक्षा से कम है, जिसका एक बड़ा कारण अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ और कमजोर वैश्विक मांग को माना जा रहा है। कमजोर अंतरराष्ट्रीय मांग और बढ़ते संरक्षणवादी कदमों के चलते माल निर्यात में बड़ी छलांग की उम्मीद नहीं है। हालांकि, सेवा क्षेत्र का निर्यात 400 अरब डॉलर से अधिक रहने की संभावना है, जो भारत के समग्र व्यापार प्रदर्शन को सहारा दे सकता है। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा दबाव बनकर उभरा है।

मई से नवंबर 2025 के बीच 50 प्रतिशत तक के टैरिफ के चलते भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 21 प्रतिशत घट गया। इसके अलावा रूस से तेल खरीद को लेकर लगाए गए अतिरिक्त दंडात्मक टैरिफ से स्थिति और बिगड़ सकती है। वहीं यूरोपीय संघ 1 जनवरी 2026 से कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म लागू करने जा रहा है, जिसके कारण भारत के इस्पात निर्यात में पहले ही 24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। इन चुनौतियों के बावजूद, अमेरिका के अलावा अन्य वैश्विक बाजारों में भारत के निर्यात में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कावासाकी निंजा 650 का अपडेटेड 2026 मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली ।

अपनी पॉपुलर मिडलवेट स्पोर्ट्स बाइक कावासाकी निंजा 650 का कावासाकी ने अपडेटेड 2026 मॉडल लॉन्च कर दिया है। बाइक में डुअल-चैनल एबीएस के साथ ट्रेक्शन कंट्रोल सिस्टम मिलता है।

इस बाइक में अब ओबीडी2बी एमिशन नॉर्म्स के अनुरूप अपडेटेड इंजन दिया गया है और ये ई20 पेट्रोल पर भी चल सकेगी। इसकी कीमत एक्स-शोरूम 7.91 लाख रुपए रखी गई है। नए अपडेट के साथ बाइक की कीमत में 14,000 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। यह ट्रायम्फ डेटोना 660, यामाहा आर 15 400 और होंडा सीबीआर650आर जैसी मोटरसाइकिल्स को टक्कर देती है। डिजाइन की बात करें तो 2026 निंजा 650 में बहुत बड़े बदलाव नहीं किए गए हैं, लेकिन इसे फ्रेश लुक देने के लिए नई लिवरी (ग्राफिक्स) का इस्तेमाल किया गया है। बाइक अपने सिग्नेचर लाइम ग्रीन कलर शेड में ही अवेलेबल है। इसमें शार्प ट्विन एलईडी हेडलैंप्स, मस्कुलर फ्यूल टैंक, लेयर्ड फेयरिंग, फेयरिंग माउंटेड ओआरवीएमएस, अंडरबेली एग्जॉस्ट, फ्लश-फिट विंडशील्ड और अपर काउल दिया गया है, जो इसे एक एग्रेसिव स्पोर्टी लुक देता है। नया ग्राफिक डिजाइन कुछ समय पहले इंटरनेशनल मार्केट में पेश किया गया था, जिसे अब भारत लाया गया है।

इसके अलावा लेटेस्ट बाइक में एलईडी टेललाइट्स, फैंसी एल्युमीनियम स्विंगआर्म, फेयरिंग में लगे हैलोजन टर्न इंडिकेटर्स, पीछे की तरफ स्टेप्ड सीट, थोड़ा सीधा राइडिंग पोस्चर और न्यूट्रल फुटपेग मिलता है। 2026 कावासाकी निंजा 650 में 649सीसी का 4 स्ट्रोक, पैरेलल-ट्विन, डीओएचसी 8 वॉल्व, लिक्विड कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 8000आरपीएम पर 68एचपी की पावर और 6700 आरपीएम पर 48.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ट्रांसमिशन के लिए इंजन को असिस्ट स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है।

श्रेय समूह की कंपनियों में 2,434 करोड़ की धोखाधड़ी हुई: पीएनबी

- श्रेय समूह पर कुल 32,700 करोड़ रुपए का कर्ज था

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीनबी) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सूचना दी कि श्रेय इक्विपमेंट फाइनेंस लिमिटेड (एसईएफएल) और श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड (एसआईएफएल) में कुल 2,434 करोड़ रुपए की ऋण धोखाधड़ी हुई है। एसईएफएल में 1,240.94 करोड़ रुपए और एसआईएफएल में 1,193.06 करोड़ रुपए की उधारी को बैंक ने धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया। पीएनबी ने पूरी राशि के लिए 100 फीसदी वित्तीय प्रावधान कर लिया है, जिससे बैंक के वित्तीय नतीजों पर कोई अतिरिक्त असर नहीं पड़ेगा। श्रेय समूह पर कुल 32,700 करोड़ रुपए का कर्ज था। पहले इसका नियंत्रण कनोरिया परिवार के पास था। अक्टूबर 2021 में आरबीआई ने एसआईएफएल और एसईएफएल के निदेशक मंडल को भंग किया था। इसके बाद आईबीसी के तहत दिवाला प्रक्रिया शुरू हुई। दिसंबर 2023 में नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ने इन कंपनियों का अधिग्रहण किया। श्रेय समूह ने 1989 में परिसंपत्ति वित्तपोषण वाली एनबीएफसी के रूप में अपना कारोबार शुरू किया था।

इंग्लैंड ने दूसरे ही दिन चार विकेट से जीता बॉक्सिंग डे टेस्ट

–ऑस्ट्रेलिया में 18 मैचों के बाद मिली पहली जीत

मेलबर्न (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां एमसीजी में खेले गये चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम को चार विकेट से हराकर इस दौरे में अपनी पहली जीत दर्ज की है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज को पहले ही शुरुआती तीन टेस्ट जीतकर अपने नाम कर लिया है। ऐसे में इस हार से सीरीज के परिणाम पर कोई खास प्रभाव नहीं हैं। इस जीत से अब ये सीरीज 3-1 पर पहुंच गयी है। इस मैच में मेजबान टीम ने इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रनों को लक्ष्य दिया था जो उसने दूसरे ही दिन 6 विकेट पर 178 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की। पारी शुरु करते हुए बेन डकेट ने 34 रन बनाए, जबकि जैकब बेटहेल ने 40 रन बनाये। हैरी ब्रुक ने 18 रन और जैक क्राउली ने 37 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

यह साल 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत है। वहीं कुल मिलकार 18 टेस्ट के बाद इंग्लैड टीम यहां जीती है।

इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज दोनो पारियों में असफल रहे जिसका नुकसान मैच में मिली हार से उसे हुआ। वहीं दूसरी ओर पहली पारी के आधार पर 42 रनों से पिछड़ने के बाद भी इंग्लैंड ने मैच जीत लिया। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दूसरी पारी में मेजबान टीम के बल्लेबाजों को बड़ स्कोर बनाने का कोई अवसर न देते हुए ऑस्ट्रेलियाई टी को 132 रनों पर ही समेट दिया था। ट्रेविस हेड 46 रन के अलावा स्टीव स्मिथ ने 24 और ग्रीन ने 16 रन बनाये बाकि बल्लेबाज असफल रहे। इंग्लैंड की ओर से रायडन कार्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए कुल चार विकेट लिए।

जिस प्रकार से पहले तीन मैच जीतने वाली मेजबान टीम इस मैच में असफल रही है। उससे प्रशंसकों में निराशा है। पिछले 9 सालों में यह पहला अवसर है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान पर किसी टेस्ट की दोनों ही पारियों में 200 रन के अंदर सिमटी। इससे पहले साल 2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार से आउट हुई थी।

इस मुकाबले की बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी अपनी पहली पारी में केवल 152 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद इंग्लैंड 110 रनों पर आउट हुई थी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजगान टीम के पास 46 रनों की बढ़त थी। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 132 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की गेंदबाजी के सामने मेजबान टीम के बल्लेबाजों की एक न चली। ऑस्ट्रेलिया के साथ ऐसा बहुत कम ही हुआ है कि वह अपने घर में दोनों पारियों में 200 से कम पर आउट हो जाये।

इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी वारी में बिना किसी नुकसान के 4 रनों से आगे खेलना शुरु किया पर इंग्लैड के गेंदबाजों गस एटकिन्सन और बेन स्टोक्स के के सामने वह टिक नहीं पायी। टीम ने 100 रनों के अंदर ही 6 विकेट खो दिये। इसी दौरान जोश टोंग और ब्रायडन कार्स ने बल्लेबाज मार्नस लैबुशेन को 8 रन पर और ख्वाजा को शून्य पर ही पेवेलियन भेज दिया। ट्रेविस हेड ने 46 और स्टीव स्मिथ ने 24 रन बनाए। इस प्रकार पूरी टीम दूसरी पारी में 132 रनों पर सिमट गयी। पहली पारी के आधार पर मेजगान टीम के पास 46 रनों की बढ़त थी। इस प्रकार इंग्लैड को जीत के लिए 175 रनों का लक्ष्य मिला।

इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की। पारी शुरु करते हुए बेन डकेट ने 34 रन बनाए, जबकि जैकब बेटहेल ने 40 रन बनाये। हैरी ब्रुक ने 18 रन और जैक क्राउली ने 37 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

यह साल 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत मिली है। वहीं कुल मिलकार 18 टेस्ट के बाद इंग्लैड टीम जीती है।

मैच के दो दिन के भीतर खत्म हो जाने के बाद पिच को लेकर जोरदार बहस छिड़ गई। पहले दिन ही 20 विकेट गिरे थे, जो ऑस्ट्रेलिया में 1951 के एडिलेड ओवल के बाद सबसे ज्यादा थे। दूसरे दिन भी 16 विकेट गिरे।

होल्डन और नसीम ने आईएलटी20 में वाइपर्स को जीत दिलाई

शारजाह (एजेंसी)। तेज गेंदबाज नसीम शाह की शानदार गेंदबाजी और मैक्स होल्डन के नाबाद अर्धशतक की मदद से डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स पर पांच विकेट से जीत हासिल कर उसे आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया।

इस मैच के परिणाम से यह सुनिश्चित हो गया कि अबू धाबी नाइट राइडर्स या गल्फ जायंट्स में से कोई एक टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी। डेजर्ट वाइपर्स, एमआई एमिरेट्स और दुबई कैपिटल्स की टीम पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं।

नसीम शाह ने 35 रन देखकर तीन विकेट लिए और वॉरियर्स को सात विकेट पर 140 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। वॉरियर्स की तरफ से जॉनसन चार्ल्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। मैक्स होल्डन की 46 गेंद पर नाबाद 66 रन की पारी की मदद से वाइपर्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 144 रन बनाकर जीत हासिल की।

डकेट के 3000 हजार रन पूरे

मेलबर्न (एजेंसी)। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में 34 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही अपने 3,000 रन भी पूरे किए। इतने रन बनाने वाले वह इंग्लैंड के 49वें खिलाड़ी बन गए हैं।बाएं हाथ के बल्लेबाज डकेट ने इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए 26 गेंदों में 34 रन बनाए। डकेट ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। इस मैच के साथ ही डकेट के नाम अब 42 टेस्ट मैचों में 3,005 रन हो यगे हैं। उनका औसत 40.06 और स्ट्राइक रेट 86.44 का रहा है। उनके नाम 6 शतक और 16 अर्धशतक है। वहीं उनका सबसे अधिक स्कोर 182 रन रहा है। है।

इस सीरीज में हालांकि डकेट अब तक असफल रहे हैं और केवल 133 रन ही बना पाये हैं। इस मैच में जीत के लिए इंग्लैंड को 175 रनों का लक्ष्य मिला था।

इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रन का लक्ष्य मिला। जिसका पीछा करते हुए डकेट ने पारी की शुरुआत करते हुए 34 रन बनाए, जबकि जैकब बेटहेल ने 46 गेंद में 40 रन बनाये। इंग्लैंड ने इस मैच को चार विकेट से जीता। डकेट सबसे कम गेंदों में 3000 टेस्ट रन पूरे करने के मामले में पहले नंबर पर पहुंच गये है। इससे पहले ये रिकार्ड एडम गिलक्रिस्ट के नाम था। डकेट ने 3474 गेंदों में ये रन बनाये जबकि गिलक्रिस्ट ने इसके लिए 3610 गेंद खेली थी। वहीं 3468 गेंद खेलकर हैरी ब्रूक इस सूची में पहले नंबर पर हैं और उन्होंने इस मैच में ही यह रिकॉर्ड बनाया था।

महिला क्रिकेट में रेणुका का जलवा ! 4 विकेट लेकर भारत को जिताया, केरल को बताया 'लकी चार्म'

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका महिला टीम पर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। यह जीत भारतीय महिला टीम के आक्रामक गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत मिली, जिसमें वापसी कर रही रेणुका सिंह ठाकुर का शानदार प्रदर्शन रहा, जिन्होंने 4/21 के प्रभावशाली आंकड़े दर्ज किए। मैच के बाद रेणुका ने अपने प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और केरल को अपना भाग्यशाली मैदान बताया। लंबे समय के अंतराल के बाद वापसी कर रही रेणुका ने नई गेंद से बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4/21 विकेट लिए और श्रीलंका के शीर्ष क्रम को परेशान किया।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेणुका सिंह ने अपने प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए केरल को अपना लकी ग्राउंड बताया। उन्होंने कहा कि अंडर-19 क्रिकेट के दौरान भी वह अक्सर यहां

चार विकेट लेती थीं। उन्होंने भारतीय महिला टीम की गेंदबाजी की भी तारीफ की और मजबूत तेज गेंदबाज-स्पिनर संयोजन की सराहना करते हुए कहा कि टीम का लक्ष्य मैचों को जीतने और महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उच्च मानकों को बनाए रखना है।

रेणुका ने कहा कि मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा। मैं लंबे समय से टी20 क्रिकेट खेल रही हूं, इसलिए खुश हूं। केरल मेरा लकी ग्राउंड है। मैंने यहां अंडर-19 क्रिकेट भी खेला है। जब भी मैंने खेला है, चार विकेट लिए हैं। केरल आकर मैं बहुत उत्साहित थी। यह मेरा लकी ग्राउंड है। भारतीय तेज गेंदबाज ने आगे कहा कि गेंदबाजी विभाग अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। तेज गेंदबाजों और स्पिनरों का संयोजन बढ़िया है। हम विश्व कप के लिए बेहतर संयोजन खोजने की कोशिश कर रहे हैं। हम अपने मानकों को ऊंचा बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम ज्यादा से ज्यादा मैच जीत सकें। हमारा मकसद महिला क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाना है।

रेणुका के साथ-साथ दीप्ति शर्मा ने भी भारत बनाम श्रीलंका मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 3/18 विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट की बराबरी करते हुए महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं, जिनके नाम 151 विकेट हैं। इस मैच में श्रीलंका ने शुरुआत में ही संघर्ष किया और 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। कौशिनी नुत्यांगना की 19* रनों की पारी के बावजूद श्रीलंका 20 ओवरों में केवल 112/7 रन ही बना पाई। भारतीय टीम की ओर से शेफाली वर्मा ने 42 गेंदों पर 79 रनों की तेज पारी खेली और कप्तान हरमनप्रीत कौर (21*) के शानदार सहयोग से भारत ने 6.4 ओवर शेष रहते आठ विकेट से जीत हासिल की।

सलमान की जन्मदिन पार्टी में छाये रहे धोनी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने हाल बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के 60वीं जन्मदिन हुई पार्टी में परिवार सहित शामिल हुए ।आम तौर पर पार्टी आदि से दूर रहने वाले धोनी इस कार्यक्रम में पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ नजर आए । इस पार्टी में सलमान खान के करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल हुए । समारोह में धोनी का सादगी भरा अलग अंदाज छाया रहा। पार्टी में उनके पहुंचने के वीडियो अब सोशल मीडिया में काफी पसंद किये जा रहे हैं । सोशल मीडिया पर इस वीडियो के आते ही प्रशंसकों ने धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह जमीन से जुड़े हैं और ये उनके अंदाज से देखा जा सकता है। धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब केवल आईपीएल में ही उतरते हैं। इसके बाद भी उनके लिए प्रशंसकों की दीवानगी कम नहीं हुई है । आईपीएल 2026 में धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसी) के लिए उतरेंगे पर उनके कप्तानी करने की कोई संभावना नहीं है । धोनी ने पिछली बार आईपीएल 2025 में कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद टीम की कमान संभाली थी ।

टी20 विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाना है लक्ष्य : कमिंस

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलिाई टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनका लक्ष्य नये साल में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्कप मे बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाना है। कमिंस ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं और कार्यभार प्रबंधन के तहत ही उन्हें एशेज सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट मैचों से बाहर रखा गया है ।कमिंस चोटिल होने के कारण पहले दो टेस्ट में शामिल नहीं थे । मेजबान टीम ने पहले ही सीरीज 3-0 से जीत ली है जिससे देखते हुए कमिंस को उतारकर टीम जोखिम नहीं लेना चाहती है। कमिंस को जून जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे पर कमर में चोट लगी थी। जिससे देखते हुए टीम प्रबंधन उनपर अधिक बोझ नहीं डालना चाहता । वहीं कमिंस ने कहा कि अब आराम करने के बाद उन्हें पहले से बेहतर लग रहा है । साथ ही कहा कि कुछ सप्ताह पहले ही कमर की चोट से उबरा हूं तो लगातार दो टेस्ट खेलना जोखिमभरा रहता ।अब टी20 विश्व कप से पहले कुछ आराम करूंगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्व कप में पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से खेलेगी । ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने हाल में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है । जिसके कारण कमिंस टीम के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं।

अनुभवी खिलाड़ियों को एचआईएल में निभानी होगी बड़ी भूमिका : श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश आजकल हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) एसजी पाइपर्स हॉकी टीम के डायरेक्टर हैं। श्रीजेश का कहना है कि अगर एसजी पाइपर्स को हॉकी इंडिया एचआईएल में अच्छा प्रदर्शन करना है तो अनुभवी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन कर युवाओं को प्रेरित करना होगा। इन खिलाड़ियों की जिम्मेदारी दबाव के क्षणों में और बढ़ जाती है।

श्रीजेश ने कहा, पिछले सत्र में हमने जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद टीम पिछड़ गयी थी। इसका कारण है कि टीम को संभालने का प्रयास किसी ने नहीं किया। टीम के पास अच्छे नेतृत्व की कमी नजर आयी। उस सत्र में अनुभवी खिलाड़ियों ने आगे आकर कमान नहीं संभाली थी। वहीं इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए। एसजी पाइपर्स 2024-25

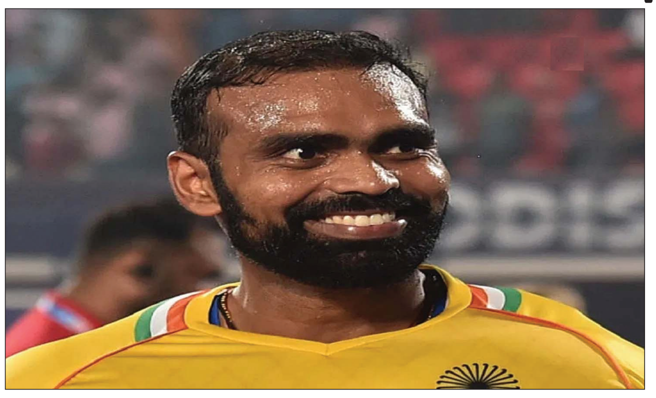

सीजन में पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग में पीछे रही है। श्रीजेशने बताया कि पूर्व अंतरराष्ट्रीय अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह को टीम में मेंटरशिप और बीच में नेतृत्व संभालने के लिए शामिल किया गया है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि रूपिंदर को रखने का कारण टीम को एक मेंटर उपलब्ध कराना है। साथ ही कहा कि हमें ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जो टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करे। साथ ही कहा कि वह टीम की तैयरियों से खुश हैं। साथ ही कहा कि आने वाले दिनों में टीम के प्रदर्शन का बारीकी से आंकलन होगा।

साथ ही कहा कि इसलिए एचआईएल के बाद हम सबसे पहले उन्हें उनके सभी मैच दिखाएंगे। मैं चाहता हूं कि वे जानें कि 2027 में उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उनका मानना है कि जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में, जिसमें भारत हार गया था, वह बेहतर फैसले ले सकते थे। हालांकि मेरे ज़्यादातर फैसले सही थे, यहां तक कि अर्जेंटीना के खिलाफ हमने जो बदलाव किये थे। वे सफल रहे। ।

श्रीजेश ने कहा कि एक खिलाड़ी और एक कोच में काफी अंतर होता है।उन्होंने कहा, मैं अपने कोचिंग रोल का आनंद ले रहा हूं, जूनियर टीम के साथ लगभग एक साल हो गया है, और मैं नए खिलाड़ियों के एक नए ग्रुप का इंतजार कर रहा हूं, और कोच के तौर पर मुझे नए ग्रुप के साथ शुरुआत करनी होगी, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है।

शीर्ष खिलाड़ियों में जगह बनाना चाहते हैं ब्राजील के उभरते टेनिस खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका

रियो डी जेनेरो ।ब्राजील के उभरते हुए टेनिस खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका का लक्ष्य नये साल में विश्व के शीर्ष 15 पुरुष टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाना है । फोन्सेका चाहते हैं कि वह नये साल में तेजी से आगे आयें । इस खिलाड़ी ने साल 2025 में दो खिताब जीते हैं । ये एटीपी टूर पर उनका पहला सत्र था और अब नये सत्र में भी वह ये सिलसिला आगे बढ़ाना चाहते हैं । फोन्सेका ने कहा, मेरा इरादा दुनिया के शीर्ष 15 खिलाड़ियों में जगह बनाने का है । यह कठिन है पर मैं इसके लिए प्रयास करुंगा । मैं बिना उतार-चढ़ाव के लगातार अच्छे परिणामें पर भी ध्यान दूँगा । गौरतलब है कि फोन्सेका ने इस साल 113वीं रैंक से शुरुआत की थी पर ब्यूनस आयर्स (एटीपी 250) और बेसल (एटीपी 500) में जीत के बाद वह लंबी छलांग लगाकर 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं साल 2025 में वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे राउंड तक पहुंचे जो एक बड़ी उपलब्धि रही है । उन्होंने टेनिस के अलावा नए साल को लेकर कुछ अन्य लक्ष्य के बारे में भी बताया। फोन्सेका ब्राजील के एकमात्र पुरुष ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन गुस्तावो कुएटर्न हैं के समान बनना चाहते हैं ।

हरमनप्रीत सबसे अधिक जीत दर्ज करने वाली कप्तान बनी

थिरुवनंतपुरम ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है । अब हरमनप्रीत महिला टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक जीत करने वाली कप्तान बन गई हैं । हरमनप्रीत ने इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को पीछे छोड़ा है । श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 में जीत के साथ ही हरमनप्रीत ने टी20 में कप्तानी करते हुए 130 मैचों में 77 जीत हासिल की हैं । इस प्रकार उनका जीत प्रतिशत 58.46 है । वहीं लैनिंग ने 100 मैचों में 76 जीत दर्ज की है इससे उनका जीत प्रतिशत 76 है । लैनिंग के नाम हालांकि चार विश्वकप जीत का रिकार्ड है । वहीं स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने टी20 में अपने 150 विकेट पूरे किये हैं । वह इस प्रारुप में सबसे अधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी बन गयी हैं ।

टेस्ट क्रिकेट में फ्लॉप गंभीर, बीसीसीआई ने इस दिग्गज से की अनौपचारिक बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की टेस्ट टीम को हाल ही में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के भीतर टेस्ट टीम की कोचिंग को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खबर है कि बोर्ड के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने अनौपचारिक रूप से दिग्गज क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण से संपर्क कर यह जानने की कोशिश की कि क्या वह टेस्ट टीम के कोच की भूमिका संभालने में रुचि रखते हैं।

टेस्ट क्रिकेट में गंभीर का रिकॉर्ड चिंता का विषय

गौतम गंभीर का व्हाइट-बॉल कोच के तौर पर रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। उनके कार्यकाल में भारत ने एक ICC और एक ACC ट्रॉफी जीती है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में तस्वीर अलग नजर आती है। SENA देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ भारत को 10 टेस्ट मैचों में हार झेलनी पड़ी है, जिसने बोर्ड की चिंता बढ़ा दी है।

लक्ष्मण की दिलचस्पी नहीं

सूत्रों के मुताबिक, वीवीएस लक्ष्मण फिलहाल बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 'हेड ऑफ क्रिकेट' की भूमिका से संतुष्ट हैं और वह सीनियर टेस्ट टीम की कोचिंग लेने के इच्छुक नहीं हैं। यही वजह है कि BCCI के पास फिलहाल गंभीर का कोई मजबूत विकल्प नहीं दिख रहा।

कॉन्ट्रैक्ट पर दोबारा हो सकता है विचार

गौतम गंभीर का BCCI के साथ करार 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक का है, लेकिन यह पूरी तरह भारत के आगामी टी20 वर्ल्ड कप प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। यदि भारत खिताब बरकरार रखता है या फाइनल तक पहुंचता है, तो गंभीर की स्थिति और मजबूत हो सकती है। इसके उलट खराब प्रदर्शन की स्थिति में उनके कॉन्ट्रैक्ट पर पुनर्विचार संभव है।

ड्रेसिंग रूम का माहौल

रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा भारतीय ड्रेसिंग रूम में असमंजस की स्थिति है। कई खिलाड़ी गंभीर के कार्यकाल में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे, जबकि राहुल द्रविड़ के दौर में खिलाड़ियों की भूमिकाएं स्पष्ट थीं और उन्हें लंबा मौका मिलता था। शुभमन गिल का टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर होना भी इसी नीति का उदाहरण माना जा रहा है।

आगे का फैसला IPL के बाद

टी20 वर्ल्ड कप के बाद दो महीने का IPL सीजन होगा, जिसके दौरान BCCI के शीर्ष अधिकारी भारत के प्रदर्शन का गहन विश्लेषण करेंगे। इसके बाद यह तय किया जाएगा कि

अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग कोच हों या सभी फॉर्मेट के लिए एक ही कोच रखा जाए।

आने वाले दो महीने 'गुरु गंभीर' के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं, भले ही उन्हें अभी भी BCCI के कुछ प्रभावशाली वर्गों का समर्थन हासिल है।

आईपीएल2026 : आरसीबी को बड़ा झटका, 3 करोड़ में रिटेन इस स्टार खिलाड़ी को हुई हैमस्ट्रिंग इंजरी

ऑस्ट्रेलिया और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के लिए खेलने वाले पावर हिटर टिम डेविड चोटिल हो गए हैं । बिग बैश लीग (BBL) के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते उन्हें मैच बीच में छोड़ना पड़ा, जिससे आगामी टी20 वर्ल्ड कप और RCB की तैयारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं । यह साल 2025 में डेविड की दूसरी हैमस्ट्रिंग चोट है ।

मैच के दौरान लगी चोट- यह घटना पर्थ स्टेडियम में हॉबर्ट हरिकेन्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के मुकाबले के दौरान हुई । टिम डेविड शानदार लय में बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन तेज़ी से दूसरा रन लेने की कोशिश में उन्हें पैर में खिंचाव महसूस हुआ । इलाज के बाद भी 29 वर्षीय डेविड को 28 गेंदों पर 42 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा ।

स्कैन के लिए भेजे गए डेविड- मैच के बाद हॉबर्ट हरिकेन्स ने पुष्टि की कि डेविड की चोट का आकलन करने के लिए स्कैन कराया जाएगा। बिग बैश लीग का फाइनल 25 जनवरी को है और इसके ठीक बाद 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में ञ20 वर्ल्ड कप शुरू होना है । ऐसे में अगर चोट गंभीर हुई तो उनके पास रिकवरी के लिए बहुत कम समय होगा ।

पहले भी रह चुके हैं चोटिल-इससे पहले 2025 में IPL के दौरान भी टिम डेविड को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी, जिसके कारण वह करीब दो महीने क्रिकेट से दूर रहे और RCB के प्लेऑफ अभियान से बाहर हो गए थे । इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उनके वर्कलोड को लेकर सतर्क रवैया अपनाया था ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

किलिमंजारो पर बचाव मिशन के दौरान हेलिकॉप्टर हादसे में पांच मरे

माउंट किलिमंजारो, एजेंसी। तंजानिया के माउंट किलिमंजारो पर एक बचाव मिशन के दौरान हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बुधवार शाम को पर्वत के लोकप्रिय ट्रेकिंग मार्ग पर, बाराफू कैंप और कीबो शिखर के बीच 4,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर हुआ। पुलिस के अनुसार, हेलिकॉप्टर मेडिकल इवैक्यूएशन मिशन पर था और उसमें दो विदेशी मरीज, एक स्थानीय डॉक्टर, एक टूर गाइड और पायलट सवार थे। हेलिकॉप्टर किलिमंजारो एविएशन कंपनी का था। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

लेबनान में ईरानी कुद्स फोर्स का मुख्य कमांडर ढेर

लेबनान, एजेंसी। इस्राइली सेना ने लेबनान में एक सैन्य अभियान के दौरान ईरान की कुद्स फोर्स के एक प्रमुख सदस्य को मार गिराया है। मारा गया व्यक्ति हुसैन महमूद मार्शद अल-जौहरी था, जो कुद्स फोर्स की यूनिट 840 का महत्वपूर्ण गुर्गा था। इस्राइली सेना का आरोप है कि अल-जौहरी सीरिया और लेबनान के रास्ते इजरायल पर हमलों की साजिश रचने और आतंकी गतिविधियों के संचालन में शामिल था। सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि अल-जौहरी ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के निर्देश पर इस्राइल की सुरक्षा के खिलाफ काम कर रहा था। उसे लेबनान के अंसारीह इलाके में निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले के विस्तृत विवरण साझा नहीं किए गए हैं। गौरतलब है कि नवंबर 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के बावजूद इस्राइल लेबनान में लगातार हमले कर रहा है। इस्राइल का कहना है कि वह ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह को दोबारा संगठित होने से रोकने के लिए ये कार्रवाई कर रहा है।

पाकिस्तान : सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई में 10 विद्रोही ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग ऑपरेशनों में 10 विद्रोहियों को मार गिराया। सेना के अनुसार, बुधवार को डेरा इस्माइल खान के कुलाची इलाके में हुई कार्रवाई में आतंकी सरगना दिलावर समेत दो विद्रोही मारे गए। दिलावर पर सरकार ने 40 लाख पाकिस्तानी रुपये का इनाम रखा था। वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमलों का मुख्य आरोपी था। एक अन्य अभियान में बलूचिस्तान के कलात जिले में आठ विद्रोहियों को ढेर किया गया। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं। इसी महीने कलात में एक अन्य ऑपरेशन में भी 12 विद्रोही मारे गए थे। गौरतलब है कि, वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है और यहां पिछले साल की तुलना में विद्रोही हमलों में मरने वालों की संख्या 45 फीसदी बढ़ी है।

सरोजिनी पद्मनाथन के पास मंदिरों की कमान, हिंदू बोर्ड में भारतीय संस्कृति के प्रबंधन के लिए नियुक्ति

सिंगापुर, एजेंसी। प्रमुख हिंदू मंदिरों का प्रबंधन करने वाली सिंगापुर में वैधानिक संस्था, हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड

(एचईबी) ने जन सेवा को समर्पित एक नेता को अपना नया मुख्य कार्यकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। सरोजिनी पद्मनाथन को एचईबी का सीईओ नियुक्त किया गया। अपने 40 वर्षों के करियर में उन्होंने 1990 के दशक में अस्पतालों के पुनर्गठन और कोविड-19 महामारी के दौरान संगठनात्मक मजबूती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। सरोजिनी पद्मनाथन ने स्वास्थ्य मंत्रालय और हेल्थ साइंसेज अथॉरिटी में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया, जहां उन्होंने चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्यबल विकास का नेतृत्व किया। स्थानीय अखबारों के मुताबिक, 57 वर्षीय पद्मनाथन इससे पहले एचईबी की वित्त सदस्य रह चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने वित्तीय प्रशासन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और बोर्ड के संचालन से गहरे से जुड़ी रहीं। हिंदू एंडावमेंट्स बोर्ड सिंगापुर के प्रमुख हिंदू मंदिरों (श्री मरिअम्मन और श्री शिवन जैसे मंदिरों) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा, यह संस्कृति, समुदाय और युवा मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय समुदाय के लिए सांस्कृतिक, धार्मिक और परोपकारी कार्यक्रमों की भी देखरेख भी करता है। पद्मनाथन ने चिकित्सा, नर्सिंग और प्रशासनिक क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास का नेतृत्व किया और स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बनाने में योगदान दिया।

अमेरिका की नाइजीरिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक

ट्रम्प बोले– मारे गए आतंकियों को क्रिसमस की बधाई, ये ईसाइयों की हत्या कर रहे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार रात नाइजीरिया में आतंकी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प का आरोप है कि यहां आईएसआईएस ईसाइयों को निशाना बनाकर बेरहमी से हत्या कर रहा है।

उन्होंने आईएसआईएस आतंकियों को 'आतंकी कचरा' बताते हुए लिखा कि यह संगठन लंबे समय से निर्दोष ईसाइयों की हत्या कर रहा है। ट्रम्प के मुताबिक इस ऑपरेशन में अमेरिकी सेना ने कई परफेक्ट स्ट्राइक कीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ किया कि अमेरिका 'कट्टर इस्लामी आतंकवाद को पनपने नहीं देगा।' पोस्ट के अंत में ट्रम्प ने लिखा- सभी को क्रिसमस की बधाई, मारे गए आतंकियों को भी। अगर ईसाइयों की हत्याएं जारी रहीं, तो आगे और भी आतंकी मारे जाएंगे।

ट्रम्प बोले- ऐसी कार्रवाई सिर्फ अमेरिका कर सकता है : ट्रम्प ने रक्षा मंत्रालय को 'डिपार्टमेंट ऑफ वॉर' कहते हुए सेना की तारीफ की और कहा कि ऐसी सटीक कार्रवाई सिर्फ अमेरिका ही कर सकता है। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सिविल लिबर्टीज एंड द रूल ऑफ लॉ की एक रिपोर्ट के अनुसार, नाइजीरिया में जनवरी से 10 अगस्त तक धार्मिक हिंसा बढ़ने के कारण 7,000 से ज्यादा ईसाइयों की हत्या कर दी गई है। इन हत्याओं के लिए बोको हरम और फुलानी जैसे आतंकी संगठन जिम्मेदार हैं।

टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया : अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, ये हमले नौसेना के एक जहाज से दागी गई दर्जन से ज्यादा टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से किए गए। गिनी की खाड़ी से दागी गई ये मिसाइलें नाइजीरिया के सोकोतो राज्य में आईएसआईएस के दो ठिकानों पर गिरीं। यह इलाका नाइजर सीमा के पास है, जहां आईएसआईएस-सहेल नाम का गुट सक्रिय है। अमेरिकी अफ्रीका कमान ने कहा कि शुरुआती जांच में कई आईएसआईएस आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि हमला कब हुआ और इसमें कितना नुकसान हुआ। अफ्रीका कमान के प्रमुख जनरल डैगविन एंडरसन ने कहा कि अमेरिका नाइजीरिया और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ाई तेज कर रहा है, ताकि निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सके।

सैन्य कार्रवाई में नाइजीरिया ने भी मदद की : अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी इस हमले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नाइजीरिया सरकार के सहयोग से की गई है और आने वाले वक्त में और भी हमले हो सकते हैं। उन्होंने नाइजीरिया सरकार को मदद और सहयोग के लिए शुक्रिया कहा। नाइजीरिया सरकार ने कहा है कि यह हमला अमेरिका के साथ चल रहे सुरक्षा सहयोग का हिस्सा है। दोनों देश मिलकर आतंकवाद से लड़ने के लिए खुफिया जानकारी साझा कर रहे हैं और रणनीति बना रहे हैं। हमले से एक दिन पहले ट्रम्प प्रशासन ने नाइजीरिया को फिर से 'कंट्री ऑफ पार्टिकुलर कंसर्न' घोषित किया था। यह दर्जा उन देशों को दिया जाता है, जहां धार्मिक आजादी के गंभीर उल्लंघन माने जाते हैं। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के अंत में भी ऐसा किया था, जिसे बाद में बाइडेन सरकार ने हटा दिया था।

नाइजीरियाई सरकार बोली– हिंसा को धर्म से जोड़कर नहीं देखें : नाइजीरिया सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू ने कहा कि उनका देश धार्मिक आजादी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया एक लोकतांत्रिक देश है, जहां संविधान सभी धर्मों को बराबरी का अधिकार देता है। विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि आतंकवाद चाहे किसी के खिलाफ हो, वह देश के मूल्यों और वैश्विक शांति के खिलाफ है। नाइजीरिया में लंबे समय से हिंसा जारी है। यहां करीब 22 करोड़ की आबादी है, जिसमें बड़ी संख्या में ईसाई और मुसलमान रहते हैं। उत्तर-पूर्व में बोको हराम और उसका सहयोगी संगठन आईएसआईएस वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस जैसे आतंकी गुट सक्रिय हैं, जिन्होंने बीते दस साल में हजारों लोगों को मारा है। ये हमले ईसाइयों और मुसलमानों, दोनों पर होते रहे हैं। इसके अलावा देश के मध्य हिस्से में चरवाहों और किसानों के बीच जमीन और पानी को लेकर झड़पें होती रहती हैं।

आम चुनाव से पहले अंतरिम सरकार के विशेष सहायक खुदा बख्श का इस्तीफा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले बिगड़ी कानून-व्यवस्था की वजह से अंतरिम सरकार के विशेष सहायक खुदा बख्श चौधरी को इस्तीफा देना पड़ा है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के विशेष सहायक ने गुरुवार को अपना इस्तीफा सौंप दिया। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले कानून और व्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की चिंताएं बढ़ गई थीं। उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे खुदा बख्श, देना पड़ा इस्तीफा जुलाई में हुए विद्रोह के बाद 10 नवंबर, 2024 को खुदा बख्श ने अंतरिम सरकार में विशेष सहायक का पद संभाला था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि खुदा बख्श चौधरी से उम्मीद थी कि वह कानून प्रवर्तन एजेंसियों, विशेष रूप से पुलिस के भीतर अनुशासन बहाल करने और मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सूत्रों के मुताबिक खुदा बख्श चौधरी से जो उम्मीदें लगाई गई थीं, वह उन पर खरे नहीं उतरे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा गया कि उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न कर पाने और मुश्किलों से निपटने में कमियों के चलते खुदा बख्श को इस्तीफा देना पड़ा। अधिकारी ने कहा कि वह पूर्व पुलिस महानिरीक्षक थे। उनसे मजबूत और निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी। हादी की मौत और हिंसा भड़कने के मामले से बढ़ा दबाव अंतरिम सरकार में गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे खुदा बख्श को हाल के महीनों में हुई घटनाओं की वजह से सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उनका इस्तीफा हुआ है। इन घटनाओं में इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत और उसके बाद भड़की हिंसा में दो अखबारों के कार्यालयों पर हुए हमले के साथ ही सांस्कृतिक संगठनों छायानाट और उदिची पर हुए हमले शामिल हैं।

नए साल पर हमले की तैयारी में जुटे आईएस के 115 आतंकी गिरफ्तार

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये ने क्रिसमस और नए साल के कार्यक्रमों में हमले की योजना बना रहे इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के 100 से अधिक आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इस्तांबुल शहर के मुख्य अभियोजक के मुताबिक, शहर में 124 ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापे मारे गए। इनमें हथियार, गोला-बारूद और आईएस से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, आईएस के ये सदस्य इस हफ्ते पूरे तुर्की में खासकर गैर-मुसलमानों के खिलाफ हमलों की योजना बना रहे थे। तुर्किये पुलिस ने 115 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनमें से 22 और का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं। ये संदिग्ध तुर्किये के बाहर आईएस के गुर्गों के संपर्क में थे। आईएस के खिलाफ यह कार्रवाई तुर्किये की खुफिया एजेंसियों के अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर इस समूह के खिलाफ छापा मारने के दो दिन बाद की गई। तुर्किये का एक नागरिक इस क्षेत्र में काम करने वाले आईएस विंग में एक ऊंचे पद पर था। उसे हिरासत में लिया गया। तुर्किये की सुरक्षा सेवाएं नियमित रूप से आईएस से संदिग्ध संबंधों वाले लोगों को निशाना बनाती हैं। तुर्किये सीरिया के साथ 900 किमी की सीमा साझा करता है।

इलाज में देरी से भारतवंशी शख्स की कनाडा में मौत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के एडमॉन्टन में भारतीय मूल के प्रशांत श्रीकुमार (44) की संभावित हृदयाघात से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, 22 दिसंबर को काम के दौरान सीने में दर्द होने पर प्रशांत को ग्रे नन्स कम्युनिटी हॉस्पिटल ले जाया गया था। जहां आपातकालीन कक्ष में आठ घंटे से अधिक इंतजार करना पड़ा। परिवार के अनुसार इस दौरान उन्हें कोई इलाज नहीं मिला। उनके पिता कुमार श्रीकुमार ने बताया कि दर्द असहनीय था। अगर समय पर इलाज मिल जाता, तो बेटे की जान बच सकती थी।

तुर्किये ने शुरू की ब्लैक बॉक्स की जांच, विमान हादसे में लीबियाई सैन्य प्रमुख समेत हुई थी आठ की मौत

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये ने विमान हादसे में लीबिया के सैन्य प्रमुख समेत आठ लोगों की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि विशेषज्ञों ने तुर्किये में हुई विमान दुर्घटना में बरामद ब्लैक बॉक्स की जांच शुरू कर दी है। यह जांच लीबियाई अधिकारियों के साथ मिलकर की जा रही है।

पश्चिमी लीबिया के सैन्य प्रमुख जनरल मुहम्मद अली अहमद अल-हद्दाद, चार अन्य सैन्य अधिकारियों और तीन चालक दल के सदस्यों को ले जा रहा निजी विमान मंगलवार को तुर्किये की राजधानी अंकारा से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी।

शुरुआती जांच में विमान हादसे की ये वजह आई सामने : एपी की रिपोर्ट के मुताबिक लीबियाई अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की वजह विमान में तकनीकी खराबी थी। अल-हद्दाद पश्चिमी लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर थे और उन्होंने लीबिया की सेना को एकजुट करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से चल रहे प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तुर्किये और लीबिया, दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के मकसद से अंकारा में रक्षा वार्ता आयोजित करने के बाद उच्च स्तरीय लीबियाई प्रतिनिधिमंडल लीबिया की राजधानी त्रिपोली लौट रहा था। तुर्किये के आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया के अनुसार, मलबा 3 वर्ग किलोमीटर (एक वर्ग मील से अधिक) के इलाके में बिखरा हुआ था, जिससे बचाव कार्य जटिल हो गया। जहाज पर मारे गए लोगों के पांच परिवार सदस्यों सहित 22 लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल जांच में सहायता करने के लिए बुधवार तड़के लीबिया से पहुंचा।

विद्रोह के बाद लीबिया के हुए दो टुकड़े : 2011 में हुए विद्रोह के बाद लीबिया में अराजकता फैल गई, जिसने लंबे समय तक सत्ता में रहे तानाशाह मोअम्मर गद्दाफी को सत्ता से बेदखल कर दिया और उनकी हत्या कर दी। देश दो हिस्सों में बंट गया, पूर्व और पश्चिम में प्रतिद्वंद्वी प्रशासन बन गए, जिन्हें कई विद्रोही मिलिशिया और विभिन्न विदेशी सरकारों का समर्थन प्राप्त था।

ट्रंप ने एपस्टीन मामले पर किया लंबा चौड़ा पोस्ट, पूरे विवाद को बताया वामपंथी साजिश

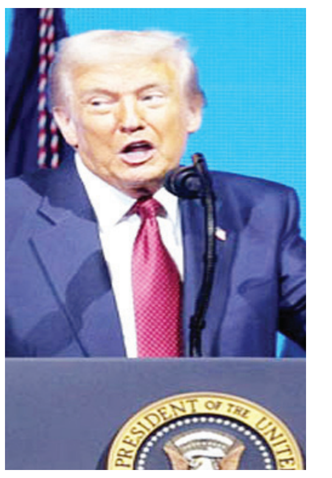

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिसमस के दिन सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में फिर से बदनाम यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन विवाद पर अपनी बात रखी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, जेफ्री एपस्टीन से जब सभी लोग अपने संबंध तोड़ रहे थे, उससे बहुत पहले ही उन्होंने, एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था। एक लंबी चौड़ी पोस्ट में ट्रंप ने राजनीतिक विरोधियों और मीडिया संस्थानों पर भी उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

ट्रंप ने लिखा, 'जेफ्री एपस्टीन से प्यार करने वाले कई घिनौने लोगों समेत सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं।' ट्रंप ने दावा किया कि एपस्टीन मामले को एक हथियार के रूप में उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इसे एक कट्टर वामपंथी साजिश करार दिया। ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन मामले में अधिकतर डेमोक्रेट्स नेताओं के नामों का खुलासा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टीन से जुड़े लोगों ने खुद को जांच तेज होने पर खुद को उससे अलग कर लिया था और वे अकेले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने ये चलन बनने से बहुत पहले ही एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था।

ट्रंप बोले- बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहा : ट्रंप ने कुछ मीडिया संस्थानों पर आरोप लगाया और कहा कि रूस जांच से संबंधित खबरों को लेकर कुछ अखबारों की झूठी रिपोर्टिंग के लिए उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि एपस्टीन मामले में मौजूदा रिपोर्टिंग के पीछे भी यही मकसद है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि एपस्टीन मामले में कई बेकसूर लोगों को बदनाम किया जा रहा है और उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वे एपस्टीन की पार्टियों में शामिल हुए थे। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े मामले में कई फाइल्स जारी की हैं, जिनमें कई बड़ी हस्तियों की तस्वीरें और नाम हैं। यह मामला अमेरिका में बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

चीन के लड़ाकू विमानों ने लगातार दूसरे दिन ताइवान की सीमा में घुसपैठ की, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

ताइपे, एजेंसी। चीन के लड़ाकू विमानों और नौसेना के जहाजों ने लगातार दूसरे दिन ताइवान की सीमा में घुसपैठ की। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि चीन के लड़ाकू विमानों और छह नौसैन्य जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। इसके साथ ही दो चीनी गुब्बारे भी ताइवान की सीमा में देखे गए।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने जारी किया बयान : ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास पीएलए (पीपल्स लिबरेशन आर्मी) विमानों के दो चक्कर और चीनी नौसेना जहाजों के छह चक्करों को देखा गया। इस दौरान दो पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के दो गुब्बारे भी देखे गए। ताइवानी सुरक्षा बलों ने स्थिति पर नजर रखी और जवाब दिया।' इससे पहले गुरुवार को भी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सुबह 6 बजे के आसपास देश की सीमा में चीनी विमानों के छह चक्कर, आठ नौसैनिक जहाजों को देखा था।

चीन पर अंतरराष्ट्रीय दमन में शामिल होने का आरोप : ताइवानी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीनी लड़ाकू विमानों ने दो बार मध्य रेखा पार की और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। इस बीच, मेन लैंड अफेयर्स काउंसिल (ब्लष्ट) ने चीन पर अंतरराष्ट्रीय दमन और राजनीतिक हेराफेरी में शामिल होने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाए गए हैं जब एक चीनी सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया कि ताइवानी नागरिक चीन में तस्करी में शामिल हैं और उनके जहाज ने इस साल की शुरुआत में समुद्र के नीचे की केबलों को नुकसान पहुंचाया था।

जून में, एक ताइवानी अदालत ने टोगो-पंजीकृत जहाज हांग ताई 58 के चीनी कप्तान को तीन साल जेल की सजा सुनाई। उस पर आरोप तय था कि उसने फरवरी में ताइवान के पास समुद्र के नीचे की केबलों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया। हालांकि चीन ने ताइवान के इन दावों को खारिज कर दिया।

बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर नेपाल तक आक्रोश, संत बोले- धर्म के नाम पर हो रहा मानवता के खिलाफ अपराध

जनकपुर, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में गुरुवार को हिंदू संतों सहित बड़ी संख्या में लोग नेपाल के जनकपुरधाम की सड़कों पर उतरे और प्रदर्शन किया। प्राचीन शहर जनकपुर के जानकी मंदिर परिसर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में बांग्लादेश में मारे गए हिंदू युवक दीपू चंद्र दास के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए गए।

यह विरोध मार्च रामानंदिया वैष्णव संघ की ओर से आयोजित किया गया था। जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंत राम रोशन दास ने कहा कि उग्र, उपद्रवी भीड़ ने दलित हिंदू दीपू चंद्र दास की बेरहमी से हत्या कर दी। उन्होंने उसे पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी। यह दिल दहला देने वाला है और हमें अंदर तक झकझोर देता है। आज हिंदू समूहों के संत और युवा इन अत्याचारों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। मैंने नेपाल सरकार को भी चेतावनी दी है कि वह बांग्लादेश पर हर संभव तरीके से दबाव डाले। किसी को भी दूसरों को मारने का अधिकार नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को अमानवीय और धर्म के नाम पर मानवता के खिलाफ अपराध बताया। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को अमानवीय और धर्म के नाम पर मानवता के खिलाफ अपराध बताया। उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को तत्काल समाप्त करने की मांग करते हुए नारे लगाए व विरोध प्रदर्शन के दौरान झंडा जलाया।

यूनुस के शासन में जिंदा जलाए जा रहे हिंदू : हसीना : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने क्रिसमस के मौके पर अपने संदेश में कहा कि अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के शासन में हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहा है। हिंदुओं को जिंदा जलाया जा रहा है। बांग्लादेश में अवैध रूप से सत्ता पर काबिज मौजूदा सरकार ने सभी धर्मों और समुदायों के लोगों की अपने-अपने धर्मों का पालन करने की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप कर रही है। बांग्लादेश में विशेषकर गैर-मुसलमानों पर अत्याचार किया जा रहा है। इसने धार्मिक अल्पसंख्यकों को जलाकर मारने जैसी भयावह मिसालें भी कायम की हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि बांग्लादेश के लोग इस अंधकारमय समय को अब और जारी नहीं रहने देंगे।

भीड़ ने की थी दीपू की पीट-पीटकर हत्या, हर तरफ आक्रोश : पिछले सप्ताह बांग्लादेश के मयमनसिंह शहर में दीपू चंद्र दास की भीड़ ने ईशनिंदा के आरोपों के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, जिससे नेपाल और भारत में आक्रोश फैल गया है। रामानंदिया वैष्णव संघ ने कहा, बांग्लादेश की हिंदू आबादी को 1947 के बाद से राजनीतिक घटनाओं के परिणामस्वरूप काफी नुकसान हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दिल्ली में ऑपरेशन आघात 3.0 : 21 पिस्टल, 12 हजार शराब के क्वाटर समेत 285 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के आगमन और आगामी गणतंत्र दिवस को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी है। राजधानी में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अराजकतत्वों पर नकेल कसने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में साउथ-ईस्ट जिला पुलिस ने ऑपरेशन आघात 3.0 के तहत एक व्यापक अभियान चलाते हुए अपराध और अपराधियों पर कड़ा प्रहार किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 504 अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार, इस विशेष अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों को जड़ से खत्म करना है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 10 संपत्ति अपराधियों और 5 ऑटो-लिफ्टरों को दबोचने में सफलता हासिल की है। इनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध सामान और हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 21 देशी पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस और 27 धारदार चाकू जब्त किए गए हैं, जो किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के काम आ सकते थे। नशीले पदार्थों और अवैध शराब के खिलाफ भी इस अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने तस्करी के नेटवर्क को तोड़ते हुए 12,258 क्वार्टर अवैध शराब और लगभग 6.01 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इसके अलावा, जुआ अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई में पुलिस ने 2,30,990 रुपये की नकद राशि भी जब्त की है। तकनीकी सर्विलांस और जमीनी छानबीन के जरिए पुलिस ने 310 मोबाइल फोन, 231 दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन भी अपने कब्जे में लिया है।

शोपियां में पुलिस ने तीन संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर्स को हिरासत में लिया

शोपियां (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में पुलिस ने शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे तीन संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर्स को कड़े पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए तीनों व्यक्ति बार-बार इसतरह के कृत्यों में शामिल पाए गए, जो सार्वजनिक व्यवस्था, शांति और सुरक्षा के प्रतिकूल थे। अधिकारी के अनुसार, इनके खिलाफ पहले भी एहतियाती कदम उठाए गए थे, लेकिन इसके बावजूद वे गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त रहे। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान ओवैस अहमद लोन, मशूक अहमद शाह और सुब्ज़र अहमद गनी के रूप में की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन तीनों के खिलाफ पीएसए के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शोपियां के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा इन्हें हिरासत में लेने का आदेश दिया गया। आदेश जारी होने के तुरंत बाद तीनों को पुलिस हिरासत में लिया गया और बाद में उन्हें जम्मू स्थित सेंट्रल जेल कोट भलवाल भेज दिया गया।

नमो भारत ट्रेन में अश्लील हरकत का दूसरा वीडियो वायरल

गाजियाबाद (एजेंसी)। मेरठ-गाजियाबाद के बीच चलने वाली नमो भारत रैपिड रेल एक बार फिर विवादों में है। पूर्व में वायरल हुए एक आपत्तिजनक वीडियो के बाद अब उसी घटना से जुड़ा दूसरा वीडियो सोशल मीडिया पर रैपिड रेल पार्ट-2 के नाम से तेजी से प्रसारित हो रहा है। इस नए वीडियो के सामने आने के बाद नमो भारत का संचालन करने वाली संस्था एनसीआरटीसी ने सख्त रुख अपनाते हुए लोगों से इसे साझा न करने की औपचारिक अपील की है। एनसीआरटीसी ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में पहले ही कड़ी विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है। जांच में यह बात सामने आई थी कि उक्त वीडियो 24 नवंबर की शाम का है, जब ट्रेन दुहाई से मुरादनगर की ओर जा रही थी। प्रीमियम कोच में हुई इस गंदी हरकत को खुद ट्रेन ऑपरेटर ने मोबाइल से रिकॉर्ड किया था, जो कि सेवा नियमों का गंभीर उल्लंघन है। इस अनुशासनहीनता के चलते निगम ने संबंधित ऑपरेटर को 3 दिसंबर को ही नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा प्रमुख द्वारा 22 दिसंबर को मुरादनगर थाने में इस प्रकरण को लेकर औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। निगम ने जनता से अपील की है कि नमो भारत जैसी आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सेवा की गरिमा और अनुशासन बनाए रखें। वीडियो को बार-बार वायरल करना न केवल अनुचित है, बल्कि जांच प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है। यात्रियों को सुझाव दिया गया है कि यदि वे ट्रेन या स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार की अश्लील या संदिग्ध गतिविधि देखते हैं, तो उसकी सूचना तुरंत वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों या स्टेशन स्टाफ को दें। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी और सख्त की जाएगी।

कॉल सेंटर से पांच राज्यों के 1500 लोगों को ठगा, शादी का झांसा देकर करोड़ों की ठगी

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में क्राइम ब्रांच ने तीन दिन पहले शहर के मयूर नगर और ज्योतिनगर इलाके में चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया। यह गिरोह मेट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए युवाओं और उम्रदराज कुंवारों को शादी का सपना दिखाकर लाखों-करोड़ों रुपए ऐंठ रहा था। पुलिस की कार्रवाई में दो महिला संचालकों सहित 20 युवतियों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड अभी फरार है। पुलिस की कार्रवाई के बाद चौंकाने वाला मामला सामने आया। गिरफ्तार की गई युवतियों के मोबाइल फोन पर लगातार एक ही नंबर से कॉल आ रही थी। टीआई ने कॉल रिसीव की... दूसरी ओर से एक युवक बोला, 'मेरी टीना से बात कराओ, मैंने रुपए भी जमा कर दिए हैं, अब वहां बात क्यों नहीं कर रही?' टीआई ने फोन पर युवक को बताया कि 'टीना' कोई असली लड़की नहीं बल्कि कॉल सेंटर की कॉलर है और वह ठगी का शिकार हो चुका है। इसके बाद युवक ने बताया कि उसने मदद के नाम पर 17 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे। जांच के दौरान पुलिस को कई इसतरह के पीड़ितों की जानकारी मिली, जो लंबे समय से कॉल सेंटर की युवतियों के संपर्क में थे। जब्त किए गए रिकॉर्ड और रजिस्टर की जांच में एक मोबाइल नंबर महाराष्ट्र का मिला। उस युवक ने पुलिस को बताया कि उसके मोबाइल पर मेट्रिमोनियल वेबसाइट से जुड़ा एक संदेश आया था, जिसके बाद बातचीत शुरू हुई। वह अब तक रजिस्ट्रेशन फीस और अलग-अलग चार्ज के नाम पर 31 से 32 हजार रुपए दे चुका था। जब पुलिस ने बताया कि पूरा मामला फर्जी है, इस पर युवक गुस्से से परेशान हो गया। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह पहले फर्जी मेट्रिमोनियल वेबसाइट पर लोगों का रजिस्ट्रेशन कराता था।

पाकिस्तान और बांग्लादेश की चुनौतियों पर बोले थरूर: विदेश नीति दल की नहीं देश की होती है

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि भारत की विदेश नीति किसी राजनीतिक दल विशेष, चाहे वह भाजपा हो या कांग्रेस, की नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की होती है। उन्होंने देश की एकता पर जोर देते हुए कहा कि यदि राजनीति में कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री की हार पर खुशी मनाता है, तो वास्तव में वह भारत की हार का जश्न मना रहा होता है। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को दोहराते हुए उन्होंने कहा, अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा? थरूर ने वैश्विक पटल पर भारत की भूमिका और पड़ोसी देशों से मिल रही चुनौतियों पर विस्तार से अपनी राय रखी।

पड़ोसी देश पाकिस्तान के संदर्भ में थरूर ने चेतावनी दी कि भारत को वहां से आने वाले सुरक्षा खतरों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी सैन्य रणनीति में बड़ा बदलाव कर रहा है। अब वह पारंपरिक युद्ध के बजाय हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक और छिपकर हमला करने की नीति पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। पाकिस्तान पहले ही ड्रोन, रॉकेट और मिसाइल हमलों का सहारा ले चुका है, लेकिन अब वह अधिक घातक और आधुनिक तकनीकों की ओर बढ़ रहा है। थरूर के अनुसार, पाकिस्तान की यह नई सैन्य नीति भारत की सुरक्षा के लिए एक ऐसी चुनौती है जिसे नजरअंदाज करना घातक हो सकता है।

पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वहां नागरिक सरकार केवल नाम मात्र की है और वास्तविक सत्ता अभी भी सेना के पास है। सेना ही नीति निर्धारण में निर्णायक भूमिका निभाती है। आर्थिक मोर्चे पर भी पाकिस्तान की स्थिति नाजुक है; जहां भारत की वृद्धि दर 7 प्रतिशत से ऊपर है, वहीं पाकिस्तान महज 2.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। थरूर ने आगाह किया कि पाकिस्तान की आर्थिक कमजोरी उसे भविष्य में जोखिम भरे कदम उठाने के लिए उकसा सकती है। इसके अलावा, पाकिस्तान अब टेक्सटाइल और कृषि जैसे उन क्षेत्रों में भारत को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है जहां भारत की पकड़ मजबूत रही है।

बांग्लादेश के मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए थरूर ने कहा कि वहां ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने निवेशकों का भरोसा तोड़ा है। उन्होंने बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बढ़ती रक्षा चर्चाओं को भारत के लिए चिंता का विषय बताया और कहा कि यह संकेत देता है कि वहां भारत को एक दुश्मन के रूप में पेश करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने उत्तर-पूर्व राज्यों को लेकर मिल रही अलगाववादी धमकियों और जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों के बढ़ते प्रभाव को बेहद संवेदनशील बताया। थरूर ने अंत में कहा कि भारत ने बांग्लादेश के लिए बंदरगाह, रेल और ऊर्जा ग्रिड जैसी महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी योजनाएं प्रस्तावित की हैं, जो उसके हित में हैं। हालांकि, इन योजनाओं की सफलता बांग्लादेश की स्थिरता पर निर्भर करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक शांत और स्थिर बांग्लादेश भारत के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि वहां की अस्थिरता भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है। वैश्विक स्तर पर हो रही उथल-पुथल के बीच भारत को उन देशों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा जिन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं है।

श्री श्याम वंदना महोत्सव एवं अमृतमय अखाड़ा आज

सूरत,श्री श्याम सरकार परिवार ट्रस्ट सूरत खाटू द्वारा विशाल श्री श्याम वंदना महोत्सव एवं अमृतमय अखाड़ा का आयोजन आज किया जाएगा। ट्रस्ट के संस्थापक योगेश बंसल ने बताया की इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य एवं आलौकिक दरबार पर्वत पाटिया स्थित जैन मंदिर ग्राउंड में सजाया जाएगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष दोपहर सवा तीन बजे से यजमान द्वारा अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। इसके पश्चात विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या में पूरे भारत वर्ष के पचास से ज़्यादा गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे। श्याम अखाड़ा में पुष्प वर्षा, इत्र फुहार, महाप्रसाद, सवामणी प्रसाद आदि कार्यकर्मों का भी आयोजन किया जाएगा।

अदालतों को विवाद समाधान केंद्र बनाने की जरूरत: सीजेआई सूर्यकांत

पणजी (एजेंसी)। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कानूनी प्रक्रिया और विवादों के निपटारे को लेकर एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने कहा कि मुकदमेबाजी अक्सर टूटे हुए रिश्तों का पोस्टमॉर्टम करने जैसी होती है, जबकि मध्यस्थता का मुख्य उद्देश्य उन रिश्तों को समय रहते बचाना है।

गोवा में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि मध्यस्थता कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि उसका सबसे उन्नत और मानवीय रूप है। मुख्य न्यायाधीश ने आधुनिक दौर की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए देशभर के वकीलों को विशेष प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि एक राष्ट्रीय स्तर की विधि अकादमी बनाई जानी चाहिए, ताकि वकील नई तकनीक और बदलते कानूनों के साथ तालमेल बिठा सकें और खुद को भविष्य के लिए तैयार कर सकें।

मध्यस्थता की बारीकियों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि एक कुशल मध्यस्थ वही है, जो केवल कानून और भाषा ही नहीं, बल्कि पक्षकारों की स्थानीय बोली, संस्कृति और उनकी भावनाओं को गहराई से समझता हो। उन्होंने मल्टी-डोर कोर्टहाउस की अवधारणा को अपनाने पर जोर दिया, जहाँ एक ही छत के नीचे मध्यस्थता, ट्रिब्यूनल और मुकदमेबाजी जैसे विकल्प उपलब्ध हों। इससे आम आदमी को अपनी समस्या के अनुसार सही विकल्प चुनने की आजादी मिलेगी। वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि देश में ट्रेंड मेडियेटर्स की भारी कमी है। वर्तमान में देश में लगभग 39 हजार प्रशिक्षित मध्यस्थ हैं, जबकि प्रभावी व्यवस्था के लिए इनकी संख्या 2.5 लाख से अधिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालतों को अब केवल मुकदमे चलाने की जगह नहीं, बल्कि विवादों के समाधान का केंद्र बनना चाहिए। उनका मानना है कि जब कोई व्यक्ति न्याय की उम्मीद में अदालत पहुंचे, तो उसके पास सबसे पहले मध्यस्थता और पंचाट का विकल्प होना चाहिए, ताकि अदालतों पर लंबित मामलों का बोझ कम हो सके।

कर्नाटक में बुलडोजर कार्रवाई पर सियासी घमासान, कांग्रेस सरकार कटघरे में

सीएम विजयन के आरोपों पर डीके का पलटवार

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 400 से अधिक घरों को गिरने के बाद कर्नाटक की कांग्रेस सरकार गंभीर विवादों में घिर गई है। कार्रवाई से सैकड़ों लोग बेघर हो गए, जिसमें बड़ी संख्या मुस्लिम समुदाय के लोगों की है। बड़े पैमाने पर हुई बेदखली ने न सिर्फ राज्य की राजनीति को गरमा दिया है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बहस छेड़ दी है। इस घटनाक्रम को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और केरल के वामपंथी नेतृत्व के बीच तीखी बयानबाज़ी हो रही है।

जानकारी के मुताबिक, 22 दिसंबर की सुबह करीब 4 बजे बेंगलुरु के कोगिलु गांव स्थित फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में तोड़फोड़ की गई। अभियान में बेंगलुरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड (बीएसडब्ल्यूएमएल) के तहत चार जेसीबी मशीनें और करीब 150 पुलिसकर्मी तैनात थे। आरोप है कि यह कार्रवाई तब की गई, जब शहर में साल की सबसे ज्यादा ठंड पड़ रही थी, जिससे बेघर हुए परिवारों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

कर्नाटक सरकार का कहना है कि ये मकान उर्दू सरकारी स्कूल के पास झील के किनारे सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने थे। जिला प्रशासन के अनुसार यह क्षेत्र पहले कचरा डंपिंग साइट था, जिस पर धीरे-धीरे अतिक्रमण कर झुग्गी बस्ती विकसित की गई थी। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने इन दावों को खारिज कर बताया कि उन्हें किसी तरह का पूर्व नोटिस नहीं दिया गया और पुलिस ने जबरन उन्हें घर खाली करने को मजबूर किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, कई परिवार पिछले 20-25 वर्षों से इलाके में रह रहे थे। उनके पास आधार कार्ड, वोटर आईडी जैसे वैध दस्तावेज मौजूद हैं। बेदखल किए गए लोगों में अधिकतर प्रवासी मजदूर हैं, जो दिहाड़ी या असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। कार्रवाई के बाद सैकड़ों लोग ठंड में सड़कों पर या अस्थायी शेल्टरों में रात गुजारने को मजबूर हैं।

लेकिन मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इस कार्रवाई को ÷अल्पसंख्यक विरोधी राजनीति÷ करार देकर कहा कि डर और ज़बरदस्ती से शासन करने पर संवैधानिक मूल्य और मानवीय गरिमा सबसे पहले प्रभावित होते हैं। केरल के मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने भी इस कार्रवाई को ÷अमानवीय÷ बताकर इमरजेंसी काल की याद दिलाने वाला बताया।

इन आरोपों पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई लैंड माफिया के खिलाफ थी, जो सरकारी जमीन पर अवैध बस्तियां बसाने की कोशिश कर रहे थे। शिवकुमार के मुताबिक, लोगों को वैकल्पिक व्यवस्था के लिए समय दिया गया था और सरकार ÷बुलडोजर राजनीति÷ में विश्वास नहीं करती। साथ ही उन्होंने पिनाराई विजयन पर तंज कसते हुए कहा कि बिना ज़मीनी हकीकत जाने टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

सीएम सरमा ने राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर चिंता जाहिर की, कांग्रेस घुसपैठियों को समर्थन कर रही

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर चिंता जताकर कहा कि पूर्वोत्तर राज्य में बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम आबादी 2027 में जनगणना रिपोर्ट जारी होने तक करीब 40 प्रतिशत होगी। सीएम सरमा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई की कोर कमेटी की बैठक में बोल रहे थे। अपने संबोधन में सरमा ने कहा कि बांग्लादेश को कड़ा संदेश देने के लिए असम से घुसपैठियों को निकालने का अभियान जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस घुसपैठियों का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि बांग्लादेशी मुसलमानों की आबादी 50 प्रतिशत से अधिक होती है, तब वे राज्य पर कब्जा कर लेने वाले है।

सरमा ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार, असम में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, अगर हम तीन प्रतिशत असमिया मुसलमानों को हटा दें, तब असम में बांग्लादेशी मूल की मुस्लिम आबादी 31 प्रतिशत थी। 2021 में कोई जनगणना नहीं हुई...जब 2027 में जनगणना रिपोर्ट आएगी, तब बांग्लादेशी मूल की मुस्लिम आबादी करीब 40 प्रतिशत होगी। यह पहली बार नहीं है जब सरमा ने असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर चिंता जाहिर की है। कुछ दिन पहले, मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी थी कि अगर प्रवासियों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, तब पूर्वोत्तर राज्य बांग्लादेश का हिस्सा बन सकता है। सरमा ने बांग्लादेश नेशनल सिटीजन पार्टी (बीएनसीपी) के नेता हसनत अब्दुल्ला की टिप्पणी का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि असम में 40 प्रतिशत आबादी बांग्लादेशी मूल की है। अगर इसमें 10 प्रतिशत की और वृद्धि हुई, तब हम स्वतः ही बांग्लादेश में शामिल हो जाएंगे... इसीलिए मैं पिछले पांच वर्षों से इस मुद्दे को उठा रहा हूं। कई बांग्लादेशी नेताओं ने भारत के पूर्वोत्तर को अलग-थलग करने के खिलाफ बयान जारी किए हैं। इस महीने की शुरुआत में, अब्दुल्ला ने पूर्वोत्तर में अलगाववादी तत्वों का समर्थन किया था और कहा था कि अगर भारत बांग्लादेश को अस्थिर करने की कोशिश करता है तब ढाका पूर्वोत्तर को अलग-थलग कर देगा।

यूपी की वोटर लिस्ट से कट सकते हैं 2.89 करोड़ के नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में वोटर लिस्ट के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 2.89 करोड़ के नाम कटने अब तय माने जा रहे हैं। यह कुल मतदाताओं का 18.70 प्रतिशत है। यह ऐसे मतदाता होंगे जो अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत व डुप्लीकेट श्रेणी में शामिल हैं। एसआईआर के तहत गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि शुक्रवार को समाप्त हो गई है।

अब आगामी 31 दिसंबर को अब मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन होगा। जिन जिलों में सबसे अधिक नाम कट रहे हैं उनमें लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज, कानपुर, आगरा व बरेली आदि शामिल हैं। वहीं, मतदाता सूची में दर्ज 1.11 करोड़ मतदाताओं के रिकार्ड नहीं मिल रहे हैं। वर्ष 2003 की मतदाता सूची में न तो इनके और न ही इनके माता-पिता या बाबा-दादी के नाम मिले हैं। यह कुल मतदाताओं का करीब सात प्रतिशत हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद इन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) नोटिस देंगे। ऐसे में इन्हें भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अनुमन्य 12 प्रमाण पत्रों में से एक देना होगा। आधार कार्ड अकेले मान्य नहीं होगा इसके साथ कोई दूसरा प्रमाण पत्र भी लगाना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि खत्म हो गई है। अब ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। इसके बाद 31 दिसंबर से 30 जनवरी तक दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। इसी तरह 31 दिसंबर से 21 फरवरी तक उन मतदाताओं को नोटिस दिए जाएंगे जिनके रिकार्ड नहीं मिल पाए हैं। दावे व आपत्तियों के निस्तारण के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 28 फरवरी को होगा।

आयोग के मुताबिक जिनका नाम वर्ष 2025 की मतदाता सूची में नहीं है, वह फार्म-6 भरकर मतदाता बन सकते हैं। जिनके पास गणना प्रपत्र आया था लेकिन वह किन्हीं कारणों से भर नहीं सके तो वे भी फार्म-6 भरकर मतदाता बन सकते हैं। हालांकि इन्हें एक शपथ पत्र भरना होगा। इसमें गणना प्रपत्र की तरह ही 2003 का रिकार्ड देना होगा। इसके साथ ही एक जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी फार्म-6 भरकर मतदाता बन सकते हैं।

बांग्लादेश की हिंसा ने सीमावर्ती राज्यों की राजनीति में बढाई बेचैनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुई बांग्लादेश की हिंसक घटनाओं ने भारत के सीमावर्ती राज्यों पश्चिम बंगाल और असम की राजनीति में भी बेचैनी बढ़ा दी है। सवाल उठने लगा है कि बांग्लादेश की हिंसा का असर पश्चिम बंगाल और असम की आगामी विधानसभा राजनीति पर कितना और कैसा पड़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों राज्यों की बांग्लादेश से लंबी सीमा जुड़ी होने के कारण वहां की किसी भी उथल-पुथल का सीधा प्रभाव सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों पर पड़ता है। असम और बंगाल में पहले से ही अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलाव का मुद्दा संवेदनशील रहा है। ऐसे में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा इन मुद्दों को फिर से केंद्र में ले आई है। असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा घुसपैठियों की पहचान और उन्हें बाहर निकालने के अभियान को तेज कर रहे हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में बीजेपी इस मुद्दे को 'हिंदुओं के अस्तित्व के संकट' और 'आज का बांग्लादेश, कल का बंगाल' जैसे नारों से जोड़कर पेश कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि ममता बनर्जी की सरकार इस मसले पर संतुलन बनाने की चुनौती से जूझ रही है। बांग्लादेश की स्थिति ने सीएए और एनआरसी की बहस को भी नई धार दी है। बांग्लादेशी हिंदुओं पर अत्याचार की खबरों से शरणार्थी समूहों में सीएए के समर्थन के संकेत मिल रहे हैं, जबकि असम में स्थानीय अस्मिता और नागरिकता का मुद्दा फिर चर्चा में है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह ध्रुवीकरण अल्पकालिक चुनावी लाभ दे सकता है, लेकिन दीर्घकाल में सामाजिक सौहार्द और विकास से जुड़े मुद्दों को नुकसान पहुंचा सकता है। सीमावर्ती इलाकों में शांति, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं जैसे सवाल पीछे छूटने का खतरा है। कुल मिलाकर, बांग्लादेश की हिंसा ने बंगाल और असम की राजनीति में भावनात्मक और पहचान आधारित बहस को तेज कर दिया है। आने वाले चुनावों में यह मुद्दा कितना निर्णायक होगा, यह तो वक्त बताएगा, लेकिन इतना तय है कि इसका असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज के ताने-बाने पर भी पड़ेगा।

बता दें कि बांग्लादेश में 2024 में हुए हिंसक आंदोलन के बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी और देश से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद कट्टरपंथी समूहों के निशाने पर अल्पसंख्यक, विशेषकर हिंदू समुदाय, आ गए। इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद हालात और बिगड़े, वहीं एक हिंदू युवक की हत्या की घटना ने भारत में भी विरोध-प्रदर्शन को हवा दी। इन घटनाओं के विरोध में दिल्ली से कोलकाता तक बांग्लादेशी दूतावासों के बाहर हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किए।